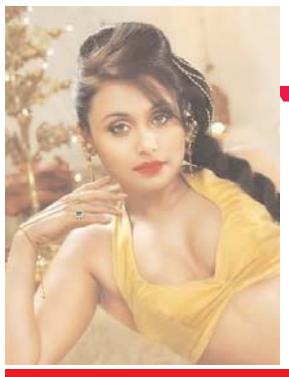

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 156 | ग्वालियर शनिवार, 25 मार्च 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

गुजरात की 17 जेलों में रातभर ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली। साबरमती समेत गुजरात की 17 जेलों में शुक्रवार-शनिवार (24-25 मार्च) की दरमियानी रात ताबड़तोड़ छापेमारी चली. जेलों से कई मोबाइल फोन बरामद किए गए. गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कंट्रोल रूम से छापेमारी की लाइव निगरानी की. साबरमती जेल में ही अतीक अहमद भी बंद है. रेड करने के पीछे का मकसद गैर-कानूनी काम को प्रकाश में लाना है. साथ ही, इसका पता लगाना है कि क्या नियमों के अनुसार कैदियों को उचित व्यवस्थाएं मिल रहीं हैं या नहीं. यह जानकारी गुजरात के डीजीपी विकाय सहाय ने दी है. समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, रातभर 1700 पुलिसकर्मियों ने साबरमती समेत गुजरात की 17 जेलों में रेड की. जेलों से कई मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं. छापेमारी की निगरानी राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी के साथ-साथ गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस भवन में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने की. पुलिस के मुताबिक, रेड शनिवार सुबह (25 मार्च) तक चालू रही. गुजरात के डीजीपी विकास सहाय ने बताया, जानकारी मिली है कि कहीं-कहीं से मोबाइल फोन मिले हैं. इस जांच में पुलिस के साथ-साथ स्निफर डॉग भी शामिल हैं और इस कार्य की पूरी रिकॉर्डिंग भी हो रही है. इसका लाइव टेलीकास्ट हम गांधीनगर के स्टेट कंट्रोल रूम में भी देख पा रहे थे. रेड के दौरान गुजरात पुलिस के कर्मचारियों ने इस बात की भी जांच की कि कैदियों को क्या-क्या सुविधा जेल में दी जा रही है. राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी सीएम डेशबोर्ड से रेड पर नजर रखी. ये ऑपरेशन अहमदाबाद, राजकोट, सूरत, बरोदा, जामनगर, महेसाणा, भावनगर, बनासकाठा समेत सभी जेलों में किया गया. चूंकि साबरमती सबसे बड़ा जेल है, इसलिए वहां 300 पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की.

साधू के भेष में नेपाल भाग सकता है अमृतपाल

नई दिल्ली। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह की तलाश में 6 राज्यों की पुलिस जुटी हुई है. आखिरी बार उसके दिल्ली में होने की सूचना मिली थी. बताया गया था कि वो साधू के भेष में कश्मीरी गेट के आसपास देखा गया है. इसके बाद से ही पंजाब पुलिस कश्मीरी गेट पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर अमृतपाल के मूवमेंट का पता करने की कोशिश कर रही है. इस बीच इंडो-नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर पर अलर्ट जारी किया गया है. पुलिस को शक है कि दिल्ली से अमृतपाल पड़ोसी राज्य नेपाल भागने की कोशिश कर सकता है. इसी के चलते इंडो-नेपाल बॉर्डर पर अमृतपाल और उसके साथियों के पोस्टर चस्पा किए गए हैं और डॉग स्क्वॉड की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. साथ ही आसपास के थानों को अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है. आने-जाने वाले लोगों की सख्ती से जांच की जा रही है. नेपाल सीमा से लगे आखिरी गांव मेला घाट में चेकिंग कर रहे झनकैया थाना प्रभारी रविंदर बिष्ट ने बताया कि वे लोगों से अपील भी कर रहे हैं कि कोई भी इन अपराधियों को किसी भी प्रकार की सहायता या आश्रय न दे. मदद या आश्रय देने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जाएगी. बता दें कि उधमसिंह नगर पुलिस फाइव स्टार होटलों में भी चेकिंग कर रही है. दरअसल जी-20 सम्मेलन रामनगर में होना है और इसमें विदेशी मेहमान हिस्सा लेने पंतनगर पहुंचेंगे. ऐसे में सूचना हैं कि सिक्ख फॉर जस्टिस इसका विरोध करेगी. जी-20 में शामिल होने आए मेहमान 5 स्टार होटल में रुकेंगे इसलिए पुलिस ने होटल में भी अमृतपाल और उसके साथियों की फोटो देकर उन्हें अलर्ट कर दिया है. इसके अलावा खुफिया तंत्र को भी अलर्ट कर दिया गया है और चेकिंग अभियान के लिए डॉग स्कॉट को भी तैनात कर दिया गया है.

कंगाल पाकिस्तान में महंगाई ने तोड़े सभी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। कंगाल पाकिस्ताान की हालत और खराब हो चुकी है. इस देश में लोगों को छोटी से छोटी चीज खरीदने के लिए ज्यादा अमाउंट देना पड़ रहा है. 22 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान पाकिस्तान की शॉर्ट टर्म सालाना महंगाई दर 46.65 फीसदी बड़ी है. इस देश इतिहास में ये पहली बार है, जब महंगाई इतनी बड़ी है. पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो ने शुक्रवार को कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण महंगाई दर में इतनी बड़ोतरी हुई है. वहीं सप्ताह के दौरान महंगाई दर में 1.80 फीसदी की बड़ोतरी हुई है. पिछले सप्ताह के दौरान शॉर्ट टर्म सालाना महंगाई दर 45.64 फीसदी पर थी. पिछले सप्ताह के दौरान पाकिस्तान में 26 वस्तुओं की कीमत में इजाफा हुआ है, जबकि 12 चीजों की कीमत में कमी आई है. जबकि 13 चीजों की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है. टमाटर के दाम 71.77 प्रतिशत, गेहूं के आटे के दाम 42.32 प्रतिशत, आलू 11.47 प्रतिशत, केले के दाम 11.07 प्रतिशत, ब्रांडेड चाय के दाम 7.34 प्रतिशत, चीनी के दाम 2.70 प्रतिशत, दाल मैश के दाम 1.57 प्रतिशत और गुड़ के दाम 1.03 प्रतिशत तक बढ़े है. जिन वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है, उनमें चिकन मांस की दर 8.14 प्रतिशत, मिर्च पाउडर 2.31प्रतिशत, एलपीजी 1.31प्रतिशत, सरसों का तेल 1.19त्न, लहसुन 1.19प्रतिशत, खाना पकाने का तेल 0.21प्रतिशत, दाल शामिल है। मूंग में 0.17त्न, दाल मसूर में 0.15प्रतिशत और अंडों में 0.03प्रतिशत की वृद्धि हुई है. साल के दौरान प्याज की कीमत में सबसे ज्यादा 228.28 फीसदी की बड़ोतरी हुई है.

राहुल के लिए कांग्रेस का एक्शन प्लान !

मिशन कर्नाटक से पीएम मोदी को मिलेगा करारा जवाब

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सदस्यता जाने के मुद्दे पर कांग्रेस आक्रामक तेवरों में है. खबर आते ही कांग्रेस के कार्यकर्ता कई जगह सड़कों पर उतर आए. आज भी ये आक्रामक तेवर नजर आ सकते हैं. राहुल गांधी की सदस्यता जाने के मुद्दे पर कांग्रेस आक्रामक तेवरों में है. आज भी ये आक्रामक तेवर नजर आ सकते हैं. कांग्रेस आलाकमान में बैठकों का दौर जारी है. एक दिन पहले इस मुद्दे पर कांग्रेस की अहम बैठक हुई. सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी काफी सख्त तेवर में नजर आई. उन्होंने पार्टी से कर्नाटक विधानसभा चुनाव पर ध्यान लगाने को कहा. कर्नाटक में जीत कर जवाब देने को कहा. प्रियंका गांधी ने कहा, यह सरकार अडानी पर जवाब नहीं देना चाहती. राहुल जी लड़ेंगे हम सब लड़ेंगे, हमारी रगों में शहीदी का खून. आज जो हुआ लोकतंत्र के लिए नुकसान दायक है. बीजेपी के प्रवक्ता हो या मंत्री सुबह से शाम तक मेरे परिवार की आलोचना करते रहते है. यह सिलसिला पुराना है. उनके खिलाफ किसी कोर्ट ने फैसला नहीं सुनाया. जिस खून को आप बार-बार परिवारवादी कहते हैं ये खून इस देश के लिए बहा है. हम पीछे हटने वाले नहीं है, हम लड़ेंगे. हमारे शरीर में शहीदों का खून है.

वहीं अभिषेक मनु सिंघवी ने ऊपरी अदालत से राहत का भरोसा जताया. अशोक गहलोत ने मुद्दे को गांव-गांव पहुंचाने की बात कही. बैठक में सांसद रवनीत बिट्टू ने सामूहिक इस्तीफे की पेशकश की थी. हालांकि इस पर अभी सहमति नहीं है. सुबह 11 बजे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय में इकट्ठा होंगे. रविवार को राजघाट पर प्रदर्शन का कार्यक्रम है तो कांग्रेस सोमवार से देश भर में प्रदर्शन शुरू करेगी. वहीं कांग्रेस नेता इसे अडानी मामले से बचने की साजिश करार दे रहे हैं. भारत जोड़ो यात्रा से अपने राजनीतिक करियर को नई उम्मीद देनेवाले राहुल गांधी का भविष्य अब अनिश्चित दिख रहा है. लोकसभा सचिवालय की इस चिट्ठी को कंप्यूटर से प्रिंट होने में 19 सेकेंड भी नहीं लगे होंगे. उसने राहुल गांधी की 19 साल की अबाध सांसदी खत्म कर दी. अगर राहुल की सज़ा पर कोर्ट ने रोक न लगाई तो राहुल गांधी आठ साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे. मतलब ये कि इस साल जून में 53 साल के होने वाले राहुल 60 साल की उम्र तक सांसद बनने की उम्मीद नहीं कर सकते और अगर मध्यावधि चुनाव न हुए तो वो अगला आम चुनाव 2034 में लड़ पाएंगे तब तक वो 65 साल के हो चुके होंगे.

राहुल की सदस्यता जाते ही वायरल हुआ खुशबू सुंदर का पुराना ट्वीट

सूरत कोर्ट ने गुरुवार (23 मार्च) को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के मामले में दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा सुनाई. वहीं, शुक्रवार (24 मार्च) को लोकसभा सचिवालय ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द कर दी गई है. इस बीच अब पूर्व कांग्रेस नेता और अभिनेत्री खुशबू सुंदर का एक ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है. इस ट्वीट के बहाने कांग्रेस के नेता सरकार पर निशाना साध रहे हैं. चलिए अब आपको ट्वीट के बारे में बताते हैं. दरअसल, अभिनेता से नेता बनी खुशबू सुंदर का एक पुराना ट्वीट वायरल है. 2018 में जब खुशबू कांग्रेस में थीं, तब उन्होंने ट्वीट किया था, यहां मोदी वहां मोदी जहां देखो मोदी...लेकिन ये क्या? हर मोदी के आगे भ्रष्टाचार सरनेम लगा हुआ है। चलिए मोदी नाम का मतलब ही भ्रष्टाचार कर देते हैं.

मेरी रैली में आना लोगों का संवैधानिक अधिकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने शनिवार (25 मार्च) की रात को लाहौर की पाकिस्तान मीनार पर एक रैली बुलाई है. उन्होंने कहा, आज हम पाकिस्तान मीनार पर अपना छठा जलसा करने जा रहे हैं, और अगर इस जलसे में कोई आने से आपको रोकता है तो आप उसको बता देना, यहां आना आपका संवैधानिक अधिकार है. इमरान खान ने एक ट्वीट कर कहा, आज रात पाकिस्तान के मीनार में हमारा छठा जलसा होगा और मेरा दिल मुझसे कहता है कि यह सारे रिकॉर्ड तोड़ देगा. मैं तरावीह की नमाज के बाद शहर के सभी लोगों से इसमें शिरकत करने की अपील करता हूं. इमरान ने कहा, इस रैली में वह पाकिस्तान की हकीकी आजादी को लेकर अपनी बात देश की जनता से साझा करेंगे. इमरान खान ने अपने जलसे को लेकर सरकार के प्रतिरोध का अंदेशा जताया. उन्होने कहा, हो सकता है आपको यहां तक आने देने के लिए सरकार आपको रोके लेकिन आप यह याद रखिएगा, किसी भी राजनीतिक रैली में हिस्सा लेने आपका संवैधानिक रुप से मौलिक अधिकार है. और आपके मौलिक अधिकारों को कोई भी नहीं खत्म कर सकता है. अगर आपको अपने मौलिक अधिकारों का दावा करना है तो आपको पाकिस्तान मीनार में आना चाहिए. यहां इस बात का जिक्र करना अहम होगा, बीते साल सत्ता से अपदस्थ किये जाने के बाद से ही पाकिस्तान के पीएम इमरान खान लगातार सरकार पर और सरकार उन पर हमलावर है. इमरान का आरोप है कि वो उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं.

भारतीय दूतावासों में तोड़फोड़ की घटनाओं पर सरकार सख्त

नई दिल्ली। विदेशों में भारतीय उच्चायोग पर पिछले कुछ दिनों में हुई तोड़फोड़ की घटनाओं पर भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है. भारत ने शुक्रवार (24 मार्च) को कहा कि वह विदेश में भारतीय मिशनों में तोड़फोड़ की घटनाओं को अंजाम देने वालों के खिलाफ संबंधित देशों से सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि इन घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की उम्मीद करता है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत उम्मीद करता है कि संबंधित देश ऐसी घटनाओं को दोबारा घटने से रोकने के लिए कदम उठाएंगे. गौरतलब है कि कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब में पुलिस कार्रवाई के बाद खलिस्तान समर्थकों ने लंदन, ब्रिटिश कोलंबिया, सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मिशनों में तोड़फोड़ की थी. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''हमारी केवल आश्वासनों में रुचि नहीं है, हम कार्रवाई देखना चाहते हैं.

कर्नाटक चुनाव के लिए कांग्रेस के 124 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 124 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है. कनकपुरा से प्रदेश अध्यक्ष डी.के शिवकुमार चुनाव लड़ेंगे. वहीं वरुणा से पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को टिकट दी गई है. सिद्धारमैया को उनके बेटे की सीट से टिकट मिला है, जबकि वो कोलार से चुनाव लड़ना चाहते थे. चुनाव आयोग ने अभी तक कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान नहीं किया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चुनाव आयोग रविवार या अगले हफ्ते की शुरुआत में राज्य में विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है. चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद आदर्श आचार संहिता पूरे राज्य में लागू हो जाएगी.

कर्नाटक की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 24 मई को समाप्त होगा. आयोग को तब तक 224 सीटों वाली विधानसभा का चुनाव करने के लिए चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी होगी. डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग और कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने राज्य में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के लिए लगभग सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं. प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को कर्नाटक दौरे पर रहेंगे. प्रधानमंत्री चिक्काबल्लापुर, बेंगलुरु और दावणगेरे में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे. अपनी यात्रा के दौरान, पीएम शहरी गतिशीलता को बढ़ाने के प्रयास में बेंगलुरु मेट्रो फेज 2 के एक नए खंड को हरी झंडी दिखाएंगे. बाद में दिन में पीएम मोदी व्हाइटफील्ड मेट्रो स्टेशन पर बेंगलुरु मेट्रो फेज 2 के तहत रीच-1 विस्तार परियोजना के व्हाइटफील्ड (कडुगोडी) मेट्रो से कृष्णराजपुरा मेट्रो लाइन तक 13.71 किलोमीटर की दूरी का उद्घाटन भी करेंगे.

काम चाहिए तो देनी पड़ेगी चमड़ी और दमड़ी दोनों

क्लर्क पर महिला ने दर्ज कराया अस्मत मांगने का केस

नई दिल्ली। राजस्थान के भरतपुर जिले में पर्यटन विभाग में कार्यरत एक क्लर्क पर महिला कलाकार ने काम के बदले अस्मत मांगने का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. महिला द्वारा पुलिस में मामला दर्ज कराते हुए बताया गया है कि वह पर्यटन विभाग में काफी लम्बे समय से कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करती है. उसके साथ अन्य कलाकार भी भाग लेते है, जिसका भुगतान पर्यटन विभाग द्वारा किया जाता है. महिला ने बताया है की भरतपुर में पर्यटन विभाग के क्लर्क विशाल माथुर द्वारा उसे कई दिन से परेशान किया जा रहा है. महिला ने आगे बताया कि कलाकार अप्रैल 2022 में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए वर्क के लेटर लेने गई थी तो विशाल माथुर ने जबरन उसका हाथ पकड़ कर खींच लिया और उसे कुर्सी पर बैठाकर उसे बोला कि तुम्हें बहुत काम मिल जायेगा, तुम हमारी छोटी सी मांग पूरी कर दो. उस समय महिला ने लोक लज्जा और बदनामी के डर से कुछ नहीं कहा और चुप रही. महिला कलाकार से क्लर्क ने कहा कि अगर काम चाहिए तो चमड़ी और दमड़ी दोनों देनी पड़ेगी तभी काम मिलेगा. पीड़ित महिला लोक कलाकार ने बताया कि, मैं लोक कलाकार हूं राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देकर अपने परिवार का लालन पालन करती हूं. पर्यटन विभाग में कार्यरत क्लर्क विशाल माथुर मुझे परेशान करता है और काम के बदले में मेरी अस्मत मांगता है. मैं उसे मना करती हूं तो हमारे भुगतान को भी रुकवा देता है. 14 मार्च को मैं पर्यटन विभाग के कार्यालय में गई तो विशाल माथुर मुझे अपने कमरे में ले गया और मेरे साथ जबरदस्ती करने लगा. इस दौरान उसकी खींचतान में मेरे हाथ में चोट लग गई जिसका मैं इलाज करा रही हूं. परेशान होकर मैंने पुलिस में मामला दर्ज कराया है. मथुरा गेट थाना के सब इंस्पेक्टर पूरन सिंह ने बताया कि आज एक महिला ने पर्यटन विभाग में कार्यरत क्लर्क विशाल माथुर के खिलाफ आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है कि क्लर्क विशाल माथुर मुझसे काम के बदले अस्मत की मांग करता है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ता को मारा थप्पड़

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया एक विवाद में पड़ते दिख रहे हैं. दरअसल, उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो शुक्रवार (24 मार्च) का है. इसमें वह बेंगलुरु में अपने आवास के बाहर एक पार्टी कार्यकर्ता को थप्पड़ मारते दिख रहे हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देखेंगे कि सिद्धारमैया अपने आवास के बाहर समर्थकों की भारी भीड़ से घिरे हुए हैं, उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता उनसे मिलने चाह रहे हैं. इस दौरान एक कार्यकर्ता उनसे मिलने उनके एकदम करीब पहुंच जाता है. इस पर वह उसे थप्पड़ मारते दिख रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी कार्यकर्ता आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए टिकट मांगने के लिए वहां आए थे. इसी दौरान यह घटना हुई. हालांकि वीडियो में वह नेता कोई गलत रिएक्शन देता नहीं दिख रहा है, जिसे थप्पड़ लगा था. वहीं, इस विवाद से अलग शुक्रवार को सिद्धारमैया ने कहा कि वह कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में मैसूरु में अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र वरुणा से चुनाव लड़ सकते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि उनके समर्थक उन्हें एक और निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए कह रहे थे, लेकिन उन्होंने अभी इस बारे में सोचा नहीं है. सिद्धारमैया ने कहा, कई निर्वाचन क्षेत्रों से, वे (समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता) पूछ रहे हैं.... 25 निर्वाचन क्षेत्रों से वे (मुझे चुनाव लड़ने के लिए) कह रहे हैं, लेकिन मैं सभी 25 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव नहीं लड़ सकता. यह एक राय है. घर पर मुझे वरुणा से चुनाव लड़ना चाहिए। अब तक सिद्धारमैया दो बार वरुणा से जीत चुके हैं. 2013 में जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने तो वह इसी सीट से चुने गए थे. 75 वर्षीय सिद्धारमैया के लिए यह चुनाव आखिरी होगा क्योंकि उन्होंने घोषणा की थी कि 2023 का विधानसभा चुनाव उनका आखिरी होगा. उन्होंने यह भी कहा कि वह मैसूरु में चामुंडेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ेंगे.

घुसपैठ की कोशिस

जम्मू कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, तंगधार में आतंकी ढेर

जम्मू कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, तंगधार में आतंकी ढेर

बांदीपोरा में दो गिरफ्तार, भारी संख्या में हथियार बरामद

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले से बड़ी खबर सामने आई है. यहां घुसपैठ की कोशिश नाकाम हुई है. सुरक्षाबलों ने तंगधार में घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया. इसके अलावा बांदीपोरा में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक दोनों जगहों से सुरक्षा बलों को भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ है. कश्मीर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सेना ने शुक्रवार (24 मार्च) को एलओसी के पास तंगधार में एक आतंकी को मार गिराया और घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है. उन्होंने बताया कि तंगधार में मारे गए आतंकी के पास से तीन एके-47 राइफल, तीन पिस्टल, तीन मैगजीन, 2 चाइनीज हैंड ग्रेनेड और 200 से ज्यादा एके 47 राइफल की बुलेट्स बरामद हुई हैं. इसके अलावा सुरक्षाबलों को आतंकी के पास से खाने का सामान और कुछ दवाइयां भी बरामद हुई हैं. जिसकी वजह से यह साफ है कि ये आतंकी अपने नापाक मंसूबों को लेकर भारत की सीमा में दाखिल हुए थे.

जानकारी के मुताबिक घुसपैठ की एक साजिश बांदापोरा में भी नाकाम की गई है. बांदीपोरा पुलिस और सीआरपीएफ के ज्वाइंट ऑपरेशन में घुसपैठ की कोशिश कर रहे लश्कर के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया गया. इन आतंकियों के पास से चीन में बने दो ग्रेनेड बरामद हुए हैं. पुलिस ने बताया कि सुरक्षाबलों को घुसपैठ की जानकारी मिली थी. उन्होंने बताया कि जिसके बाद पुलिस के साथ मिल कर ऑपरेशन चलाया और यह कामयाबी हासिल की. सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को कई बार नाकाम किया है. पहले जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया था. इसके अलावा इस ऑपरेशन में दो अन्य आतंकी घायल भी हुए थे. अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक मारे गए आतंकी के पास से मारे गए आतंकी के पास से एक एके-47 राइफल, एक स्वचालित हथियार, 6 मैगजीन, 2 ग्रेनेड व अन्य सामग्री बरामद हुई थी.

एक नजर...

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत डॉ मुन्ना लाल देवदास

संवाददाता हेमचंद नागेश

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ का पाँचवा स्थापना दिवस महा पंचायत भोपाल के पालिटेक्निक कालेज के सामने मानस भवन में आयोजित किया गया। जिसमें देश के 12 राज्यों एवं मध्य प्रदेश के 52 जिलों के वरिष्ठ पत्रकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के बहुमुखी प्रतिभा के धनी राष्टपति पुरस्कृत सेवा निवृत्त प्रधानाध्यापक साहित्यकार, गीतकार, वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, समाजसेवी डॉ मुन्ना लाल देवदास को प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्टीय कार्यकारी अध्यक्ष के लिए मनोनीत किया गया और पत्रकार कल्याण संघ के ऊर्जावान युवा राष्टीय अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पवैया एवं पदाधिकारियों द्वारा डॉ देवदास का गर्मजोशी के साथ स्वागत सम्मान किया गया।

राहुल जी की सदस्यता रद्द करना डरी हुयी सरकार की निशानी : नागेश

संवाददाता हेमचंद नागेश

कांग्रेस पार्टी के छात्र शाखा एनएसयूआई छात्र नेता चंद्रशेखर नागेश ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने पर केंद्र सरकार को आड़े हांथ लिया है और भाजपा की सरकार को जमकर घेरा। पुनेश्वर लहरे ने कहा कि लोकसभा से राहुल गांधी का निष्कासन चौंकाने वाला है लेकिन सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नही। आज देश बहुत कठिन दौर से गुज़र रहा है। राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करना एक कायराना हरकत और एक डरी हुई सरकार की निशानी है। उन्होंने कहा कि पार्टियों के आपस के रिश्ते महत्वपूर्ण नही है देश को बचाना महत्वपूर्ण है। यह लड़ाई राहुल गांधी और कांग्रेस की लड़ाई नहीं है। यह एक तानाशाह सरकार से देश को बचाने की लड़ाई है।

नगर में मनाई गई विद्यार्थी जी की पुण्यतिथि, कांग्रेस को याद आए विद्यार्थी

दैनिक पुष्पांजली टुडे, संवाददाता जितेंद्र राय

मुंगावली। नगर गौरव मूर्धन्य पत्रकार अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी जी की 92 वी पुण्यतिथि आज नगर के विद्यार्थी चौरहे पर गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण श्रद्धासुमन अर्पित कर मनाई गई। इस दौरान एसडीएम रवि मालवीय सहित नगर के गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि व पत्रकारो द्वारा विद्यार्थी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए । आपको बता दे कि विद्यार्थी जी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नगर के अंग्रेजी शासन काल के एंग्लो वर्नाक्यूलर स्कूल वर्तमान के मिडिल स्कूल बहादुरपुर रोड़ पर ग्रहण की गई थी विद्यार्थी जी का वचपन मुंगावली में बीता था जिससे नगर के लोगो के लिए विद्यार्थी जी का महत्व अलग ही है। नगर के पत्रकार, नगरवासी हर वर्ष विद्यार्थी जी की जन्म जयंती एवं पुण्यतिथि मानते है हाल ही में विद्यार्थी जी के परिजन भी मुंगावली पहुँचे थे जहाँ वह विद्यालय में मौजूद रजिस्टर में विद्यार्थी जी का दर्ज नाम सहित नगर में विद्यार्थी जी की स्मृति में मौजूद स्थानों को देखकर काफी प्रभावित हुए थे परिजन संदीप विद्यार्थी द्वारा विद्यार्थी जी ने जिस स्कूल में शिक्षा ग्रहण की थी उस स्कूल के छात्र छात्रों के ठंडे पानी की व्यवस्था के लिए दो वाटर कूलर लगाने की बात कहीं थी जिसको लेकर उनके द्वारा वाटर कूलर लगाने का काम प्रारंभ कर दिया है दोनों वाटर कूलर जल्द विद्यालय में लग जायेंगे। जिससे विद्यालय के छात्र छात्राओं को ठंडा पानी मिलेगा।

कांग्रेस को याद आए विद्यार्थी किए श्रद्धासुमन अर्पित-विद्यार्थी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर कांग्रेस को भी विद्यार्थी जी याद आ गए मुंगावली नगर के मल्हारगड़ रोड़ स्थित मैरिज गार्डन पर बैठक के उपरांत कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता विद्यार्थी चौरहे पर पहुँचे जहाँ पर उन्होंने विद्यार्थी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए । उसके बाद कांग्रेस कार्यकत्ताओं द्वारा राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने को लेकर सांकेतिक धरना प्रदर्शन भी किया। इस दौरान सुरेंद्र सुहाने विधानसभा प्रभारी की अध्यक्षता में अशोकनगर शहर अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कुशवाह गोविंद सिंह बरोदिया राव यादवेंद्र सिंह यादव, जिला अध्यक्ष केपी यादव, मलकीत सिंह संधु, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नवेंद्र शर्मा (नोवी), ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता राजकुमार नरवरिया शोभाराम राजपूत सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान के खेत में लगी भीषण आग हुआ लाखों का नुकसान

पुष्पांजलि टुडे, विजय परिहार

करीब 2:00बजे थाना अमोला करेरा क्षेत्र के अंतर्गत एक गरीब किसान

के खेत में अचानक आग लग जाने से गेहूं की फसल को काटकर एक जगह इकट्ठा खेत में रखा हुआ था कृषक श्री रविंद्र पुत्र अमन सिंह लोधी का कहना है कि मैं थ्रेसर के लिए ट्रैक्टर लेने गया था और मेरे खेत में रखी गेहूं की फसल करीब 30 कुंटल गेहूं जलकर राख हो चुका है जिसकी सूचना संबंधित थाना अमोला को दे दी है साथ में राजस्व विभाग को भी सूचना कर दी है जनपद सदस्य बल्लू लोधी मौके पर पहुंचे और उन्होंने समस्त प्रशासन को सारी घटना की जानकारी दी।

शहर की यातायात व्यवस्था हुई खराब, जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यवाही सिर्फ गरीबों तक रह गई सीमित

पुष्पांजलि टुडे, ब्यूरो रिपोर्ट सोनू श्रीवास्तव

गुना। शहर में यातायात व्यवस्था की बात की जाए तो इस मामले में अब हालात यातायात को लेकर बहुत खराब हो चुके हैं। किसी भी जगह ट्राफिक के मामले में व्यवस्था सही देखने को नहीं मिली यहां तक कि कुछ दुकानदारों ने सड़कों तक अपनी दुकानों को फैला रखा है।नगरपालिका और यातायात की कार्यवाही में भी भेदभाव देखने को लगातार मिलता रहता है जिसमें कि जिन बड़े दुकानदारों ने अपनी दुकानों के आगे सर्विस रोड़ पर बेरिगेटिंग कर रखी उस पर शायद किसी की नजर ही नहीं जाती या देखकर ही नजरअंदाज कर दिया जाता है। यातायात डीएसपी मनोज वर्मा एवं यातायात प्रभारी उमेश मिश्रा भी शहर की यातायात व्यवस्था संभालने में नाकामयाब होते नजर आ रहे हैं। राहगीरों को चलने वाला पथ मार्ग व्यावसायिक स्थल बन चुका है जिसमें रिलायंस पेट्रोल पंप मंडी गेट से लेकर कुशमोदा चौकी तक सड़कों के दोनों तरफ पथ मार्ग घिरा हुआ है। वहीं बाजार में भी जगह जगह ट्राफिक

जाम की स्थिति लगातार बनी रहती है जबकि वाहन पार्किंग की व्यवस्था सिर्फ मेडिकल चौराहे के समीप स्थित होते हुए भी दुकानदारों द्वारा आने वाले ग्राहकों से अपने वाहन को व्यवस्थित पार्किंग पर रखने के लिए नहीं कहा जाता। शहर के व्यस्तम हनुमान चौराहे पर भी ले देकर एक ही ट्राफिक सिग्नल है लेकिन उस सिग्नल का भी अब चालू बंद का कोई अता पता नहीं है। जब आमजन ट्राफिक सिग्नलों का पालन करते हैं तो कुछ समय बाद ही एक एक सप्ताह तक ट्राफिक सिग्नल बंद पड़े रहते हैं लेकिन जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान उस तरफ ना जाते हुए सिर्फ गरीबी और अमीरी का फर्क देखते हुए उनके कपडों पर ध्यान जाता है और गरीबों पर चालानी कार्यवाही कर दी जाती है। जिले में नेता नगरी की सियासत का माहौल इस कदर गर्म है कि किसी नेता या उनके परिचित पर चालानी कार्यवाही या अन्य कार्यवाही की जाती है तो अधिकारियों पर नेता या उनके चमचों का फोन आ जाता है और होने वाली कार्यवाही को वहीं रोक दिया जाता है। अब सवाल यह है कि शहर पूरा अतिक्रमण की चपेट में है और यातायात व्यवस्थाएं फेल दिखाई दे रहीं हैं नगरपालिका में अध्यक्ष और सीएमओ एवं यातायात में डीएसपी और यातायात प्रभारी सिर्फ व्यवस्थाओं को सुधारने की जगह सिर्फ तमाशा देखने में व्यस्त हैं।

पंचायत भवन सेमरी में लगा सोलर पैनल सिस्टम, बनी शिवपुरी जिले की पहली पंचायत

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

शिवपुरी, जिले के पिछोर जनपद की ग्राम पंचायत सेमरी के पंचायत भवन में सौर ऊर्जा

तकनीक स्थापित कराई गई, आपको बता दें कि ग्राम पंचायतों में चल रहीं हितग्राही मूलक योजनाओं तथा पंचायत के अन्य ऑनलाइन कार्यों के सफल क्रियान्वयन हेतु कंप्यूटर आदि सिस्टम चलाने के लिए बिजली की आवश्यकता होती है, जिस दिन कोई महत्वपूर्ण कार्यक्रम हो और पता चले आज लाइट ही नहीं है ऐसी स्थिति में कई बार हितग्राहियों को मायुसी हाथ लगती है आज के दौर में अधिकतर कार्य ओनलाइन होते हैं और ओनलाइन कार्य पंचायत भवन में ही बैठक संपादित हों इसके लिए बिजली की निरंतरता सदैव बनी रहे इसके लिए सोलर एनर्जी सिस्टम स्थापित कराया है, अब पंचायत भवन में लाइट का झंझट और विल का झंझट हमेशा के लिए खत्म हो गया है, अब समूचे पंचायत भवन में सोलर ऊर्जा का ही उपयोग होगा, सोलर ऊर्जा सिस्टम लगने से कम्प्यूटर सिस्टम के साथ साथ एलईडी बल्ब, पंखे आदि चला सकते हैं, ग्राम पंचायत सेमरी का पंचायत भवन सोलर ऊर्जा सिस्टम से लेस जिले का पहला पंचायत भवन होगा, आने वाले दिनों में नलजल योजना के संचालन हेतु सोलर ऊर्जा के प्लांटेसन लगवाने का विचार ग्राम पंचायत सेमरी में चल रहा है, सचिव अजब सिंह लोधी ने बताया है कि मध्यप्रदेश सरकार ने हाल ही में 5 वें वित्त आयोग की राशि पंचायतों में उपलब्ध कराकर निर्देश जारी किए हैं कि प्रदेश के सभी पंचायत भवन आवश्यक उपकरण/फर्नीचर कृय एवं मरम्मत आदि कार्य कराकर पंचायत भवनों को सर्व सुविधायुक्त बनाए जाएं, हमने भी ग्राम पंचायत सेमरी के सरपंच, उप सरपंच एवं पंचों से विचार विमर्श कर पंचायत भवन की मरम्मत के साथ साथ आवश्यक फर्नीचर और सोलर ऊर्जा के सिस्टम को स्थापित करा दिया है। अब मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के आवेदन ऑनलाइन करने में भी लाइट बाधक नहीं बन सकती। ग्राम पंचायत सेमरी की तर्ज पर अन्य पंचायतों में भी यह पहल की जाएगी।

पुलिस और माइनिंग प्रशासन की चुप्पी से शिवपुरी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गांव लाल मोरम के अवैध खनन का गड़ बना हुआ है

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन की मौन स्वीकृति से क्षेत्र में खनन माफिया के हौसले काफी बुलंद है। जिसके कारण आए दिन खनन माफिया जगह-जगह गहरे गढ्डे करके लाल मोरम का अवैध उत्खनन कर रहे हैं। वही शिवपुरी से ग्वालियर तक डाली जा रही सड़क निर्माण के लिए निर्माण एजेंसी द्वारा बगैर प्रशासन की अनुमति लिए गांव के बने तालाब को क्षति पहुंचाते हुए अवैध रूप से मोरम का उत्खनन किया जा रहा है। जिसको लेकर ग्रामीण आक्रोशित बने हुए हैं। बता दें कि क्षेत्र में अवैध खनन माफिया के हौसले इतने बुलंद है कि सरकारी जमीन समेत काश्तकारों की जमीनों पर भी खनन माफियाओं द्वारा दिन-रात खनन किया जा रहा है। खनन माफिया द्वारा सरकारी जमीनों पर अवैध खनन कर उससे मोरम और मिट्टी निकाल कर सरकारी विकास कार्यों में ही लगाया जा रहा है। जबकि किसी भी निर्माण कार्य के लेकर संबंधित निर्माण एजेंसी निर्माण के लिए लगने वाले कच्चे मटेरियल का शुल्क भी लगाती है फिर भी निर्माण एजेंसियां अवैध रूप से गिट्टी मिट्टी मोरम आदी का उत्खनन कर सरकार को लाखों रुपए का प्रतिदिन चुना लगा रहे हैं। हाला की इस पूरे मामले को लेकर आम जन ने प्रशासनिक अमले की आंखे खोलनी चाही परंतु अभी तक पुलिस प्रशासन, एसडीएम एवं माइनिंग द्वारा किसी प्रकार की कोई भी ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिली है या यूं कहें सत्ता और माफिया के आगे शिवपुरी प्रशासन बेबस हो चूका हैं सूत्रों के अनुसार यह भी बताया गया कि तहसील से लेकर जिले के अधिकारियों को हर महीने मोटी रकम दी जाती है। इसी वजह से अधिकारी खदान नहीं जाते। अधिकारियों द्वारा छापा पड़ने की लोकेशन भी माफियों को दी जाती है इसलिए बालू खनन माड़िया बेपरवाह होकर खनन करते हैं। जब हमने स्वयं ने इसकी पड़ताल की तो हमें एक पुलिस कर्मी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि ऐसा नहीं है कि पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है पुलिस को कई और भी कार्य होते हैं जिसकी व्यवस्था के चलते हम व्यस्त रहते हैं यह कार्य माइनिंग का है जो इन अवैध सामग्री पर कार्रवाई कर सकती है पुलिस कर्मी ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि शहर के अवैध लाल मोरम का कारोबार करने वाले लोगों का सीधा नेटवर्क पुलिस के आला अधिकारी एवं नेताओं से होता है जिसके कारण हम लाचारी का सामना करते हैं और देख कर भी चुप रहना उचित समझते है।

माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी में पन्ना से लाई गई मादा बाघ को खुले में छोड़ा गया

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

शिवपुरी। माधव राष्टीय उद्यान शिवपुरी में आज पन्ना से लाई गई मादा बाघ को बाड़े से निकालकर बाहर खुले वनक्षेत्र में छोडा गया है। संचालक एवं मुख्य वन संरक्षक सिंह परियोजना शिवपुरी ने बताया कि माधव राष्टीय उद्यान शिवपुरी में दो मादा एवं एक नर बाघ अन्य टाइगर रिजर्व से पुर्नस्थापित किए गए है। आज शनिवार को सांय 4.15 बजे मादा टाइगर को बाड़े से बाहर खुले वनक्षेत्र में छोड़ दिया गया है। खुले वनक्षेत्र में फील्ड स्टाफ द्वारा टाइगर ट्रेकिंग भी लगातार की जा रही है।

राहुल गांधी की सदस्यता को लेकर कांग्रेसियों ने दिया राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। देश में चल रहे राहुल गांधी और भाजपा के बीच छिड़ी जंग में राहुल गांधी की जहां सदस्यता निरस्त हुई वहीं कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश सहित पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है और कांग्रेसियों द्वारा अपने नेता की

नहीं पहुचने दिया कलेक्ट्रेट परिसर तक परिसर से दूर दिया रोक

सदस्यता जाने के बाद वह रोड़ों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करने के लिए तैयार हो गए हैं ऐसा ही प्रदर्शन आज शिवपुरी जिले में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और अन्य कांग्रेस पार्टी के नेताओं के द्वारा देखने को मिला इसमें उन्होंने अपने नेता राहुल गांधी की सदस्यता जाने के विरोध में भाजपा के खिलाफ नारे लगाए और भाजपा मुर्दाबाद के नारे लगा लगा कर भारतीय जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन किया वही कांग्रेसियों को ज्ञापन देने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर जाना था लेकिन कलेक्ट्रेट परिसर से पहले नगर पालिका गेट के पास सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता जिला अध्यक्षों को रोककर वही ज्ञापन ले लिया गया और उनको कलेक्ट्रेट परिसर तक जाने की अनुमति नहीं दी शिवपुरी जिले से करने के, लोकसभा अध्यक्ष जी के फैसले से सम्पूर्ण देश स्तब्ध है और दुःखी है। राहुल गांधी, कहना हैं कि सरकार उन कंल बात को विनम्रतापूर्वक, सुने ओर राहुल गांधी की संसद

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विजय चौहान ने बताया की देश के गरीब, शोषितों की पीड़ा को आवाज देने वाले प्रधानमंत्री जी के आयन्न मित्र होने के नाते राष्ट्र की सम्पत्ति पर कब्जा करने वाले अडानी जी पर आई हिंडन वर्ग रिपोर्ट पर जे.पी.सी. के गठन की पुरजोर मांग उठाने वाले, हमारे प्रिय नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता को समाप्त ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तानाशाही व्यवहार, श्वष्ठ, छ्ब्ब्छ, जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग और प्रतिपक्षी नेताओं के उत्पीड़न के विरुद्ध मुखरता से बोलते रहे हैं। राहुल गांधी जी को सदन में बोलने से रोकने हेतु, सत्तापक्ष द्वारा जो सदनों की कार्यवाही बाधित की गई। वह संसदीय इतिहास का काला अध्याय है। जिले का कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सदस्यता को बहाल करें नही तो पूरे देश मैं इसी प्रकार से आंदोनल जारी रहेगा। ज्ञापन देने आए कांग्रेसियों में मैं जिला अध्यक्ष विजय चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री प्रकाश शर्मा शहर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए पोरी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी कैलाश कुशवाहा और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रिचर्ड संस्थान द्वारा किया गया सहयोग

फर्श पर बैठने वाले बच्चों के टेबिल कुर्सी पाकर खिल उठे चेहरे

रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे

दमोह। कहते है हर छोटी चीज को पाकर इंसान के चेहरे पर खुशी का ठिकाना नहीं रहता। ऐसा ही कुछ जिले के शासकीय प्राथमिक शाला बनगाँव ब्लॉक पटेरा में देखने को मिला, जहाँ प्राथमिक शाला के स्कूली बच्चे ड़मीन पर बैठकर पड़ाई करते थे। उनकी इस कमी को देखकर फ्रंटयर बेसिन्स ह्हत्ष्ट देहरादून (गर्वमेंट ऑल इंडिया अंडरटेकिंग)निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत बेसिन मैनेजर फ्रंटियर बेसिन ओएनजीसी के द्वारा रिचर्ड संस्थान के माध्यम से शासकीय प्राथमिक शाला को फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक सामग्री का समर्पण सहयोग किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से संस्था को जरुरत मंद चीड़ो कि पूर्ति को देखते हुये सहयोग किया गया।ओएनजीसी के सहयोग से रिचर्ड संस्थान के द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला को 7 पंखे,4 बड़ी अलमारी,5 टीचर्स टेबिल, 1 वाटर कूलर ठंडा पानी पीने के लिए एवं 50 स्कूल डेस्क टेबिल बच्चों के उपयोग के लिए दान दी गई। यह सब चीजों को देखकर बच्चों के चेहरे पर खुशी फूली नहीं समाई। जब हमारी टीम ने बच्चों से इस सम्बन्ध में पूछा तो उनका कहना था हम धन्यवाद देते है ऐसी संस्था को जिन्होंने यह सब हम लोगों को दान दिया क्योंकि पहले हम सभी बच्चे फर्श पर बैठकर पड़ाई करते थे और अब बेंच पर बैठ कर अध्यन करेंगे। कार्यक्रम के इस अवसर पर गोपाल जोशी बेसिन मैनेजर ओएनजीसी देहरादून , संजीव हजारिका सपोर्ट मैनेजर ओएनजीसी, देवेंद्र बिष्ट वरिष्ठ मानव संसाधन ओएनजीसी, आशीष चौहान एमआईएस ओएनजीसी प्रमुख,पीके खोंड ओएनजीसी, जिला प्रशासन आजीविका मिशन से श्याम गौतम एवम रिचर्ड संस्था से प्रबंधक वैभव तिवारी, मयंक शर्मा एवं स्कूल के प्राचार्य केएल प्रजापति, प्राथमिक शिक्षिका नीलम मुंडा, संगीता अहिरवाल, सहायक शिक्षिका पुष्पा जैन, सरपंच अशोक प्रजापति सहित स्कूली बच्चों एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही।

इनका कहना है

खूब पढ़ाइए, खूब शरारत करिएये यही उम्र है इसलिए मजे करिए और खूब पढ़िए आप सभी बच्चे। आप सभी को देखकर लगता है कि मैं भी स्कूल की ड्रेस पहन लूं और पुराने दिन को याद कर लूं। कंपनी के बारे में कहूंगा कि मध्यप्रदेश में तेल और गैस के भंडार प्रचुर मात्रा में है और आपके शहर दमोह में भी इसके भंडार मिले हैं ,हमने टेस्ट अच्छी तरह से कर लिया है अब बस उत्पादन की देरी है।

गोपाल जोशी बेसिन मैनेजर ओएनजीसी देहरादून

जहां पर ओएनजीसी ने प्रयास किया है वह अनछुआ पहलू है ,शासन स्तर पर प्राइमरी कक्षाओ पर इतनी सुविधाएं नहीं मिल पाती है जितनी हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी को मिल जाती हैं लेकिन ओएनजीसी की नजर जब इस शाला पर पड़ी तो उन्होंने रिचर्ड संस्था के सहयोग से इस शाला कि मूलभूत सुविधाओं को हल कराया इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

श्याम गौतम आजीविका मिशन

मुझे यह देख कर खुशी हुई कि इस प्राइमरी शाला में सबसे ज्यादा बच्चियां है, बच्चियों की पढ़ाई ज्यादा हो यह गौरव की बात है और यहां बच्चे कम बच्चियां ज्यादा है, तो मैं बच्चियों के अभिभावकों से यही कहना चाहता हूं कि उन्हें खूब पढ़ाइए और उनकी पढ़ाई कभी छूटने मत दीजिएगा क्योंकि यह आगे बढ़ेगी तो पूरे समाज और देश को गौरवान्वित करेंगी। इस स्कूल में जितनी भी और मूलभूत सुविधाओं की कमी है उसको आगे हल कराने का प्रयास हम लोग करेंगे।

संजीव हजारिका सपोर्ट टीम मैनेजर ओएनजीसी

महिला दिवस पर हुआ खेल प्रतियोगिता का आयोजन

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार 8 मार्च महिला दिवस के उपलक्ष्य में 10 मार्च से 25 मार्च के मध्य जिले में महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाना था जिसके परिपालन में आज महिला कबड्डी और ग्रामीण युवा समन्वयक अटेर नीरज सिंह बघेल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथियों का पुष्पाहार से स्वागत किया गया स्वागत उपरांत खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। कबड्डी में शासकीय हाई स्कूल परा की पिंक हाउस विजेता और जवासा की टीम उप

रस्साकस्सी प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शासकीय हाई स्कूल परा के खेल मैदान में प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें महिलाओं ने बड़-चड़कर भाग लिया। प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल परा उमेश सिंह करैया, खेल विभाग से राम बाबू कुशवाह और ब्लॉक क्रीड़ा प्रभारी अटेर ब्रजेश शर्मा उपस्थित रहे। मंच का संचालन शासकीय हाई स्कूल परा के शिक्षक युवराज भदौरिया के द्वारा किया गया खेल एवं युवा कल्याण विभाग से विजेता रही एवं रस्साकस्सी में शासकीय हाई स्कूल परा की पिंक हाउस विजेता और शासकीय हाई स्कूल परा की येलो हाउस उप विजेता रही। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से महिलाओं को ट्रॉफी मेडल सर्टिफिकेट देकर पुरूस्कृत भी किया गया। शासकीय हाई स्कूल परा से शिशुपाल भदौरिया, साधना तोमर, अल्का बाजपेयी, युवराज भदौरिया, अजय तोमर राजेन्द्र सिंह, खुशीलाल कुशवाह, समस्त स्टाफ ने प्रतियोगिया के संचालन में सहयोग प्रदान किया।

किसानों के साथ पूरी कांग्रेस खड़ी है: अनुरुद्ध प्रताप सिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । लहार विधानसभा क्षेत्र में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित हुए गाँवो का युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनुरुद्ध प्रताप सिंह ने गावों में पहुँचकर बर्बाद हुई फसलों का जायजा लिया और पीड़ति किसानो के परिवारजनों से मिलकर नुकसान की वास्तविकता जानी। युवा नेता अनुरुद्ध प्रताप सिंह ने कहा कि किसान भाइयों की फसलों का काफी का नुकसान हुआ है,जिस कारण किसान भाइयों का बहुत आर्थिक नुकसान हुआ है। युवा नेता श्री अनुरुद्ध प्रताप ने मध्यप्रदेश सरकार से किसानों की फसलों के नुकसान की जल्दी जानकारी एकत्रित कर शीघ्र आर्थिक सहायता देने की मांग की है। युवा नेता ने कहा कि किसान भाइयों के हर सुख दुख में पूरी कांग्रेस पार्टी साथ खड़ी है।

ओवरलोड रेत परिवहन पर असवार थाना पुलिस की कार्यवाही

रात्रि गस्त के दौरान थाना प्रभारी असवार ने दबोचा रेतमाड़िया का ट्रक

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार। पुलिस अधीक्षक भिंड शैलेन्द्र सिंह चौहान एवम अतरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे के निर्देशन में एवम एसडीओपी लहार अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी असवार वैभव तोमर ने रात्रि गस्त के दौरान क्ष्84ज्ञ3682 सेबड़ा तरफ से आता दिखा।जो दतिया जिले की बेरखेरा खदान से आ रहे एक ट्रक को रोककर उसकी रॉयल्टी चेक की तो वो ओवरलोड पाया गया।जिस पर कार्यबाही की गई एवम रेतमाड़ियाओं की चाल को विफल किया गया।जिससे रेतमाड़िया भूमिगत होते नजर आए।

आज उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब, डांडिया नृत्य ने मन मोहा

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

कुक्षी। लोक जीवन से जुड़े त्योहारों और अनुष्ठानों में प्रायः कोई ना कोई कथा अवश्य जुड़ी होती है। उसी कथा में होते हैं लोकगीत। उसमें छिपी रहती है जीवन को अनुभव में सिंचित जीवन के उत्साह व उल्लास की महक। ऐसा ही पर्व है गणगोर कुक्षी अंचल में गणगौर महापर्व व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। गणगौर पर्व के पहले दिन नगर के श्री आई माताजी मंदिर में गणगौर माताजी के रथों का रात्रि विश्राम रहा। यहां पूरी रात झालरिया गाकर महिलाओं ने रतजगा किया। तथा प्रसिद्ध मटकी नृत्य, आढ़े हाथ आदि कार्यक्रम किया गया ।दूसरे दिन 25 मार्च को बड़ी हताई में डांडिया नृत्य किया गया जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा तथा रात्रि में बड़ी हताई में गणगौर माता के रथों का रात्रि विश्राम कर रतजगा किया गया। आज होगा

सामूहिक लोक नृत्य ऱक्षत्रिय सीरवी समाज कुक्षी के अध्यक्ष कांतिलाल गहलोत तथा सकल पंचों ने बताया कि आज 26 मार्च को माता रनु बाई और राजा ईश्वर जी का विशेष श्रृंगारित रथो माता रनु बाई को चुनरी, बिंदिया,विशेष कंगन तथा ईश्वर जी को राजशाही अंगरका तलवार, साफा आदि से विशेष श्रंगार कर नगर में महिलाएं सिर पर रथों को रखकर 26 मार्च को शाम 6ः00 बजे विशाल चल समारोह श्री आई माताजी मंदिर से प्रारंभ होकर बड़ी हताई, महात्मा गांधी मार्ग होते हुए कचहरी चौक पहुंचेगा जहां इंद्रधनुषी छटा बिखेरते हुए 200 गणगौर रथो का सामूहिक एक साथ भव्य व आकर्षक नृत्य होगा। जिसे देखने क्षेत्र के साथ अंचल से हजारों श्रद्धालु पहुंचेंगे।

वड़गाम के मगरवाड़ा में पाटन लोकसभा बूथ अधिकारिता के तहत बैठक हुई

पुष्पांजली टुडे, पाटन गुजरात

आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी तहत वडगाम विधान सभा क्षेत्रके मगरवाडामे पाटन लोकसभा जिला प्रभारी अशोकभाई जोशी, समन्वयक नंदाजी ठाकोर, सह समन्वयक स्नेहल भाई पटेल, सह समन्वयक हेतल बेन पंचाल विस्तारक श्रेयश भाई प्रजापतिकी उपस्थिति में पाटन लोकसभा बूथ सशक्तिकरण तहत अपेक्षित कार्यकर्ताओकी बैठक हुई. बनासकांठा जिला प्रभारी नंदाजी ठाकोर, पाटन लोकसभा प्रभारी अशोकभाई जोशी ने बताया की कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 26 सीटों पर भारी जीत दर्ज करेगी। जिसमें बूथ सशक्तिकरण और केंद्र सरकार की लगभग 12 विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। तालुका प्रमुख प्रवीणसिंह राणा, महामंत्री लालाजी ठाकोर जिला पंचायत डेलीगेट फलजीभाई पटेल, जिला पंचायत डेलीगेट अश्विनभाई सक्सेनाने पाटन जिला भाजपा के आगामी जनोन्मुखी कार्यक्रमों की चर्चा व समीक्षा की. पाटन लोकसभा मीडिया इंचार्ज जयेश दरजी, गोविंद प्रजापति, पुष्कर गोस्वामी।

राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द कराने के विरोध मे दबोह में कांग्रेस ने फूंका पीएम मोदी का पुतला

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। राहुल गांधी जी की लोकसभा की सदस्यता रद्द कराने के विरोध मे दबोह झंडा चौक पर काँग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेवाजी की और दबोह झंडा चौक पर रैली निकालकर पुतला फूंक दिया। इस दौरान लहार ब्लॉक काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा,लहार नगर पालिका के उपाध्यक्ष एडबोकेट नरेश सिंह चौहान की अगुबाई में दबोह नगर काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूपनारायन खटीक की अगुबाई में पुतला फूंका गया।इस मौके पर काँग्रेस नेताओ ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा मोदी कि सरकार देश मे संबिधान को खत्म करना चाहती है और अपना हिटलर शाही कानून लागू करना चाहती है।इसलिए उन्होने देश के विपक्ष को खत्म करने के लिए कूटनीति षडयंत्र रचा और राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द की है। अंग्रेड़ो के शासन के बाद मोदी सरकार विपक्ष को ड़त्म कर रही है। देश की जनता कभी बर्दाश्त नही करेगी पूरा देश राहुल के साथ है।इस मौके पर काँग्रेस के प्रदेश महामंत्री शिवनारायण दुबे बल्लू बकील,लहार जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष रामेश्वर

दयाल कौरव,दबोह नगर पंचायत के उपाध्यक्ष हाकिम सिंह चौधरी,जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव रमाशंकर सिंह चौधरी,दबोह नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूपनारायण खटीक, दबोह नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेद्र दुधरिया,कांग्रेस के मंडलम प्रभारी सुरेश कौरव आदि लोगो ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा।पुतला दहन करने बालो में मुख्य रूप से पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र खेमरिया,पार्षद दिनेश सिंह कौरव, पार्षद शेरे पठान, पार्षद प्रतिनिधि मुन्ना सिंह कौरव, पार्षद सुधीर तिवारी,पार्षद प्रतिनिधि माधव सिंह यादव, पार्षद प्रतिनिधि दुर्गा प्रसाद राठौर,पार्षद गोविंद सिंह पाल,पार्षद प्रतिनिधि मेहताव दोहरे, शिशुपाल सिंह परिहार, काँग्रेस नेता नरेश उदेनिया, कप्तान सिंह कौरव, युवक कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष शेर सिंह कौरव, रासविहारी गोस्वामी, परेछा सरपंच सोनू बघेल, मीडिया प्रभारी फरियाद खान मौजूद रहे।

VEDANTA PVT INDUSTRIAL TRAINING INSTITUTE
Estd. 2015
MEHGAON, BHIND
वेदांत प्रा. I.T.I.
ट्रेड :- इलेक्ट्रीशियन, फिटर
योग्यता 10वीं पास
Mob. 7000404914, 7694927881
भिण्ड रोड, मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)

!! जय श्री सिद्ध गुरुदेव !!
10th All Sub.
9302855225
9144741160
(CBSE & NCERT BOARD)
HINDI & ENGLISH MEDIUM
By: योगेन्द्र सर
म.प्र. शासन की "BHIM" योजना के अंतर्गत Registration करवायें और Fees में 15% की छूट पाये
Coming Soon
REGISTRATION OPEN
Visit our website
www.yogendrasirgwalior.com
YOGENDRA SIR OFFICIAL APP
GET IT ON Google Play
पता- फोर्ट रोड सब्जी मंडी पुल के पास, हजीरा ग्वालियर ।

2024 में भारत बिना विपक्ष का दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र?

सन् 2024 भारत का टर्निंग प्वाइंट है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बिना विपक्ष के होगा। नोट रखें मेरी इस बात को कि सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष निपटेगा। पार्टियों के बोर्ड होंगे मगर दुकान खाली। 2024 का चुनाव अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और नीतीश कुमार का आखिरी लोकसभा चुनाव होगा। मतलब यह कि मई 2024 के आम चुनाव के बाद सपा, तृणमूल, आप, जदयू जिंदा तो रहेंगे मगर कम्युनिस्ट पार्टियों, रिपब्लिकन पार्टी व बसपा जैसी हैसियत में। ये क्षत्रप 2024 से 2029 के बीच में प्रादेशिक वजूद भी पूरी तरह गंवा बैठेंगे। नेता मुकद्मों और जेल में फंसे होंगे। सवाल है कैसे यह संभव?

सर्वप्रथम नोट करें कि सन् 2024 का आम चुनाव मोदी का आखिरी चुनाव है। इस चुनाव और उसके बाद के पांच साला कार्यकाल में हिंदू राजनीति अमित शाह-योगी की जमीन बनाने पर फोकस करेगी। करिश्मे के बाद भी सत्ता-पक्की स्थायी रहे इसके लिए विपक्ष को खत्म करने का मिशन। इसमें यूपी, बिहार, बंगाल के 60 प्रतिशत हिंदू वोटों को भगवा में रंगने की प्राथमिकता नंबर एक पर। ध्यान रहे 2019 में भाजपा ने 13 प्रदेशों में कुल वोटों में 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट पाए थे। इस लिस्ट पर गौर करें- हिमाचल, गुजरात और उत्तराखंड में भाजपा को क्रमशः 69 प्रतिशत, 62 प्रतिशत और 61 प्रतिशत वोट मिले थे। झारखंड राजस्थान, मध्य प्रदेश अरूणाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली के छह राज्यों में भाजपा को 57 से 59 प्रतिशत के बीच वोट मिले। फिर तीसरी कैटेगरी के चार राज्यों छतीसगढ़, कर्नाटक, गोवा, चंडीगढ़ में हर जगह भाजपा के 51 प्रतिशत वोट थे। उत्तर प्रदेश में भाजपा के पचास फीसदी वोट थे। इन 13 राज्यों की 273 सीटों में से भाजपा ने 243 सीटें जीतीं।

बिहार और बंगाल का जहां सवाल है तो बिहार की मौजूदा राजनीति में यदि जनता दल यू के वोटों को अलग रखें तो भाजपा और पासवान पार्टी के साझे में तब 32 प्रतिशत वोट थे। दोनों की 23 सीटें हैं। जनता दल यू का वोट तब 22 प्रतिशत था। उधर बंगाल में भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में 41 प्रतिशत वोट और 18 सीटें मिली थीं।

कुल मिलाकर इन पंद्रह राज्यों की 355 लोकसभा सीटों में भाजपा के पास अभी 284 सीटें हैं। इसे अधिकतम कह सकते हैं। अपनी जगह बात ठीक है। पर सोचें, कि सन् 2024 में यदि यही रिजल्ट रहा तब अखिलेश, ममता, केजरीवाल और नीतीश कुमार के लिए क्या बचेगा? उनके लिए आगे क्या बचेगा? फिलहाल मैं कांग्रेस को अलग रख रहा हूं। मगर हां, यह भी तय मानें सीट जीतने की बात तो दूर कांग्रेस भी इन प्रदेशों में पुराना वोट आधार भी गंवाएगी। इसलिए क्योंकि आम आदमी पार्टी कई राज्यों में उसके वोट वैसे ही खाएगी जैसे उसने गुजरात और गोवा में खाए।

बहरहाल फिलहाल मुद्दा 2024 में इन 15 राज्यों में मोदी की हवा और भाजपा की इलेक्शनरिंग के जादू का है। विपक्ष के मिटने का है। बंगाल, बिहार, यूपी, पंजाब, दिल्ली ये वे पांच राज्य हैं, जिसमें भाजपा को वोट और सीट दोनों बढ़ानी है ताकि केजरीवाल, ममता, नीतीश, अखिलेश का झंझट आगे के लिए हमेशा खत्म हो। दक्षिण के राज्यों में यह आसान नहीं है। पर इन राज्यों में है। भाजपा अपने मकसद को दो तरीकों से साधेगी। एक, हिंदू वोटों (खास तौर पर पिछड़े और लाभार्थी) में 65-70 प्रतिशत लोगों की गोलबंदी से। मसलन पंजाब में यदि 38 प्रतिशत हिंदू हैं तो खालिस्तानी हल्ले में हिंदुओं को पूरी तरह भगवा बना डालना। इससे कांग्रेस, अकाली, आप चुनाव में सिख वोटों में परस्पर लड़ती-भिड़ती होगी वही प्रदेश की 13 सीटों में भी भाजपा अकेले या कुछ परोक्ष तालमेल से सीटें जीत लेगी। कांग्रेस और आप दोनों आपस में लड़ कर ही निपटेंगे।

हां, 2024 के चुनाव तक खालिस्तानी हल्ला ऐसा रहेगा कि केजरीवाल हिंदू और सिख दोनों में न केवल बुरी तरह बदनाम होंगे, बल्कि आश्चर्य नहीं जो अपने नेताओं के साथ जेल में हों। भाजपा के लिए केजरीवाल अब हर तरह से उपयोगी हैं। पंजाब के हिंदुओं को, दिल्ली-हरियाणा के पंजाबियों को अपने पीछे गोलबंद बनवाने के लिए तो आप पार्टी की भ्रष्ट कमीज दिखला कर अपने को उजाला बतलाने के भाजपा प्रचार से लेकर हरियाणा, हिमाचल, राजस्थान, उत्तराखंड सब तरफ कांग्रेस के वोट कटवाने के लिए भी। संभव ही नहीं है जो सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में आप पार्टी एक भी लोकसभा सीट जीत पाए। फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप का पूरी तरह सफाया है।

यही बंगाल और बिहार में होना है। बंगाल में कम से कम 45 प्रतिशत हिंदू वोटों की गोलबंदी तो बिहार में गैर-यादव हिंदू वोटों की नई गोलबंदी भाजपा की रणनीति है। मामूली बात है मगर बड़ा महत्व है। भाजपा ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना कर गैर-यादव पिछड़ों के की गोलबंदी करवाने के संकेत दिए इसलिए लोकसभा चुनाव में जनता दल यू को बिहार में 15 प्रतिशत (हां, जदयू-राजद-कांग्रेस-लेफ्ट का एलायंस यदि पूरी ताकत से लड़ा तो अलग बात) वोट भी नहीं मिल पाएगा। वहां मुस्लिम बहुल इलाकों में भाजपा की अलग रणनीति है तो पिछड़ा बहुल में अलग।

इसी एप्रोच में भाजपा बंगाल और यूपी में काम कर रही है। मुस्लिम बहुल रामपुर में भाजपा जीती है तो बंगाल में भी इसलिए जीतेगी क्योंकि जैसे उत्तर प्रदेश में मायावती के बाद अब अखिलेश यादव को मुसलमान भाजपा का पिट्ठू समझने लगा है वैसी ही इमेज ममता बनर्जी की बंगाल के मुसलमानों में बनती हुई है। जो काम केजरीवाल हरियाणा, राजस्थान, पंजाब में कांग्रेस को डुबाने के लिए करेंगे वैसा ही काम कांग्रेस-लेफ्ट यूपी और बंगाल में मोदी विरोधी घोर सेकुलर तथा मुस्लिम वोट पा कर ममता-अखिलेश के लिए करेंगे। कोई माने या न माने मोदी विरोधी तमाम सेकुलर वोट और मुसलमान मन ही मन राहुल गांधी और कांग्रेस को मोदी विरोधी लड़ाई का असल जुझारू नेता मान रहा है। तभी एक लब्बोलुआब कि जैसे केजरीवाल और अखिलेश इस मुगालते में हैं कि 2024 के चुनाव में कांग्रेस खत्म होगी तो कांग्रेस में भी सोचा जा रहा है कि ममता, केजरीवाल, अखिलेश 2024 में गुल हो जाएंगे मगर कांग्रेस जिंदा रहेगी। इसलिए वह क्यों एलायंस के लिए भागे!

जाहिर है मोदी-शाह 2024 में विपक्ष को मिटा देने की ठाने हुए हैं तो विपक्ष भी आत्महत्या के दसियों उपाय करता हुआ है।

विपक्षी पार्टियां हारेंगी या टूटेंगी!

भाजपा की पुरानी रणनीति है कि प्रादेशिक पार्टियों को या तो हरा कर खत्म करना है या तोड़ कर खत्म करना है। भाजपा की पुरानी सोच रही है कि देश में सिर्फ दो ही पार्टियां होनी चाहिए। अगर दूसरी पार्टी कांग्रेस हो तो वह भाजपा के ज्यादा अनुकूल है क्योंकि भारतीय जनसंघ के जमाने से यानी कोई 72 साल के प्रचार के दम पर भाजपा ने कांग्रेस को देश की सारी समस्याओं की जड़ के तौर पर स्थापित किया है। भारत के विभाजन से लेकर देश की गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, आबादी जैसी तमाम समस्याओं के लिए भाजपा ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही तमाम तरह के भ्रष्टाचार के लिए भी कांग्रेस को जिम्मेदार बना दिया है।

तभी अगर चुनाव नतीजों को देखें तो साफ लगेगा कि भाजपा के लिए कांग्रेस को हराना बहुत आसान है। जहां भी कांग्रेस के साथ सीधा मुकाबला है वहां भाजपा ज्यादा आसानी से जीतती है। विधानसभा चुनावों में भी यह ट्रेंड है लेकिन लोकसभा चुनाव में तो अब यह थंब रूल की तरह स्थापित है। कांग्रेस जो 52 सांसद अभी है उनमें से ज्यादातर वहां जीते हैं, जहां उनको सहयोगी पार्टियों का साथ मिला है या भाजपा से सीधे नहीं लड़ना पड़ा है। सो, भाजपा की राजनीति है कि कांग्रेस कमजोर रहे और प्रादेशिक पार्टियां हार या टूट कर खत्म हो जाएं। फिर देश में भाजपा का स्थायी राज बनेगा। एकदलीय लोकतंत्र स्थापित हो जाएगा। कहने को और भी पार्टियां होंगी लेकिन उनका अस्तित्व मायने वाला नहीं होगा। सो, एक रणनीति के तहत भाजपा उन पार्टियों को तोड़ने के प्रयास करती है, जिनको हरा नहीं पाती है।

इस बात को महाराष्ट्र में शिव सेना के उदाहरण से समझा जा सकता है। कायदे से शिव सेना के प्रति भाजपा को अहसानमंद होना चाहिए था क्योंकि उसके दम से ही भाजपा महाराष्ट्र में फली फूली और सत्ता में आई। लेकिन जब लगा कि राज्य में भाजपा अपने दम पर पर्याप्त मजबूत हो गई है और ठाकरे परिवार की कमान वाली शिव सेना उसके और मजबूत होने के रास्ते में बाधा है तो शिव सेना को कमजोर करने का मिशन शुरू हुआ। पहले बड़े भाई की भूमिका में रही शिव सेना को छोटा भाई बनाया गया। उससे भी काम नहीं चला तो उसमें विभाजन करा दिया गया। भाजपा की आगे की राजनीति को इस बात से समझें कि उसने 288 सदस्यों की विधानसभा में सिर्फ 40 विधायकों वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया है। इसका मकसद सिर्फ इतना है कि ठाकरे परिवार की राजनीति को खत्म किया जाए। अगर हिंदुत्व की राजनीति करने वाली और महाराष्ट्र में गहरी जड़ वाली शिव सेना समाप्त होती है तो एकनाथ शिंदे आदि को निपटाना तो बाएं हाथ का काम होगा। तब तो उनकी पार्टी का विलय भाजपा में हो ही जाएगा।

बतौर प्रयोगशाला बिहार

भाजपा यह काम बिहार में कर चुकी है। बिहार में सन ऑफ मल्लाह के नाम से उभरे मुकेश सहनी ने विकासशील इंसान पार्टी के नाम से अपनी पार्टी बनाई थी। भाजपा से तालमेल किया था। पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के चार विधायक जीते थे और सहनी राज्य सरकार में मंत्री बने थे। लेकिन थोड़े दिन के बाद जब सहनी की पार्टी के एक विधायक का निधन हुआ था तो खाली हुई सीट पर भाजपा ने दावा कर दिया। जब सहनी ने सीट नहीं छोड़ी तो उनकी पार्टी के बचे हुए तीन विधायकों को भाजपा में मिला लिया गया। मुकेश सहनी छाती पीटते घूम रहे हैं। अब सुनने में आ रहा है कि वे फिर भाजपा के साथ ही जाएंगे।

बहरहाल, भाजपा ने जो काम महाराष्ट्र में शिव सेना के साथ किया वही काम बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जदयू में करने की तैयारी थी। जिस तरह महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे को बागी कराया गया था उसी तरह बिहार में आरसीपी सिंह को केंद्रीय मंत्री बना कर बागी कराया गया। पूर्व आईएएस अधिकारी और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी के जरिए जदयू को तोड़ कर भाजपा की अपनी सरकार बनाने की तैयारी थी। लेकिन उद्धव ठाकरे के मुकाबले नीतीश कुमार ज्यादा होशियार निकले. और उन्होंने बाजी पलट दी। नीतीश भाजपा को छोड़ कर राजद के साथ चले गए। उनकी पार्टी में बगावत कराने से पहले एक योजना के तहत 2020 के विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी को गठबंधन से अलग किया गया। चिराग पासवान ने अपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान बताते हुए नीतीश कुमार की पार्टी के हर उम्मीदवार के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिए। इसका नतीजा यह हुआ कि नीतीश की पार्टी 43 विधानसभा सीटों पर सिमट गई। इतना कमजोर हो जाने के बाद फिर भाजपा को उसे तोड़ना आसान लग रहा था लेकिन वह नहीं हो सका। सोचें, यह काम भाजपा ने नीतीश के साथ रहते हुए किया था।

सो भाजपा की पहली कोशिश प्रादेशिक पार्टियों को हराने की होती है और यदि हरा नहीं सकते हैं तो उनके अंदर तोड़ फोड़ करानी है ताकि अंदरूनी झगड़े की वजह से पार्टी कमजोर हो। भाजपा ने इसका प्रयास तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल और हरियाणा से लेकर उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश सभी तरफ किया है। कहीं कामयाबी मिली है और कहीं नहीं मिल पाई है। जहां कामयाबी नहीं मिली है वहां कोशिश जारी है। इन राज्यों में भाजपा ने सफलता से प्रादेशिक पार्टियों के लीडर क्षत्रपों के

भाजपा की पहली कोशिश प्रादेशिक पार्टियों को हराने की होती है और यदि हरा नहीं सकते हैं तो उनके अंदर तोड़ फोड़ करानी है ताकि अंदरूनी झगड़े की वजह से पार्टी कमजोर हो। भाजपा ने इसका प्रयास तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल और हरियाणा से लेकर उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश सभी तरफ किया है।

घर में झगड़ा भी कराया है या कराने की कोशिश रही है। ये पार्टियां या तो भाजपा के कारण टूटी हैं या उनकी टूट का भाजपा ने फायदा उठाया है। मिसाल के तौर पर हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल टूटी तो भाजपा ने उसका फायदा उठाया। ओमप्रकाश चौटाला के पोते को उप मुख्यमंत्री बना कर अपनी सरकार बनाई। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी के नंबर दो नेता शुभेंदु अधिकारी को तोड़ कर ममता बनर्जी को बड़ा झटका दिया। अपनी ताकत बढ़ाई। आंध्र प्रदेश में टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू के परिवार में पहले से बनी फूट का फायदा उठाने की कोशिश भी भाजपा कर रही है। पिछले दिनों अमित शाह ने जूनियर एनटीआर से मुलाकात की थी। उत्तर प्रदेश में भी खेला हो गया था लेकिन मुलायम सिंह के निधन के बाद शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी में लौट गए। तमिलनाडु में भाजपा अन्ना डीएमके की राजनीति को अपने हिसाब से चलाने की लगातार कोशिश करते हुए है।

एजेंसियों के जरिए टेंटुआ दबाना है

मुंशी प्रेमचंद के कालजयी उपन्यास 'गोदान' में उनका मुख्य पात्र होरी है। वह अपनी पत्नी धनिया से कहता है कि 'जिन पैरों के तले गर्दन दबी हो उन पैरों को सहलाने में ही भला है'। करीब सो साल पुरानी वह बात भारत की आज की राजनीति में कितनी कारगर है। जरा गौर से देखें कि कितने विपक्षी या पक्ष-विपक्ष से तटस्थ नेताओं की गर्दन पर केंद्र सरकार यानी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के पांव हैं। कितने नेता इन पैरों को सहला रहे हैं। पहले भी केंद्र में जिसकी सरकार होती थी वह केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करती था। उससे राजनीति कुछ सधती था। लेकिन इससे पहले किसी सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों का इस तरह का शस्त्रीकरण नहीं किया, उसे वेपनाइज नहीं किया, जैसा मौजूदा सरकार ने किया है।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों और यहां तक कि संवैधानिक व वैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल करके विपक्षी नेताओं का टेंटुआ दबाया है। तभी वे मजबूर है कि वे भाजपा के हिसाब से राजनीति करें। वे केंद्रीय एजेंसियों से बचने या जेल जाने के लिए भाजपा में शामिल हो जा रहे हैं या भाजपा के प्रति सद्भाव दिखाने लगते हैं और चुपचाप पड़े रहते हैं। जो ऐसा नहीं करते हैं उनके यहां छापे पड़ जाते हैं, गिरफ्तारी हो जाती है, घरों-दुकानों पर बुलडोजर चल जाते हैं, मामलों की आनन फानन में सुनवाई हो जाती है और सजा करा कर सदस्यता खत्म करा दी जाती है। इन तीनों बातों की मिसाल कई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ सीबीआई की जांच चल रही थी। जब वे कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार में मंत्री थे तब उनके खिलाफ शिकायत हुई थी और जांच शुरू हुई थी। लेकिन वे भाजपा में चले गए और जांच का पता नहीं क्या हुआ। इसी तरह पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। लेकिन वे भाजपा में चले गए और पाक साफ हो गए। महाराष्ट्र ने नारायण राणे कई तरह की जांच से घिरे थे लेकिन अब केंद्र सरकार में मंत्री हैं। ऐसे नेताओं की लंबी सूची है।

शेष गपशप हाल-फिलहाल पेज पर...

तवारीख़ी तहरीर बदलने की ख़ुशबू

■ पंकज शर्मा

मेरा मानना है कि लोकसभा से राहुल की सदस्यता ख़त्म करने के फ़ैसले ने सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी के निर्वाण के सफ़र की दूरी अब बहुत छोटी कर दी है। सियासत तकनीकी दांवपेंच का खेल नहीं होता है। बहानों के जाल बिछा कर अपने राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने की कुचालें दीर्घकालीन राजनीति में उलटबांसी साबित होती हैं। इसकी एक नहीं, कई मिसालें भारतीय राजनीति ने देखी हैं। सियासी कुरुक्षेत्र में तो मुकाबला आमने-सामने का होता है। सो, मान कर चलिए कि राहुल का निष्कासन अब सड़क को ही संसद बना देगा।

पहले मुझे 'दो जिस्म, एक जान' वाले कथन पर विश्वास नहीं होता था। इस अति-रूमानी भाव पर यक़ीन करने के लिए मैं ने दिन-रात एक किए, मगर नतीजा सिफ़र रहा। मगर पिछले साठ दिनों में एक-एक दिन मेरा यह भरोसा पुख़्ता हुआ है कि दो जिस्म-एक जान जैसी कुछ चीज़ होती तो ज़रूर है। एक कारोबारी के कारोबार के बारे में आई एक रिपोर्ट को ले कर सामने आए दृश्यों ने मुझे आश्वस्त कर दिया है कि अलग-अलग दो जिस्म अपने जीवन का सफ़र एक जान के ज़रिए और भी अच्छी तरह पूरा करते हैं।

शरीर पृथक हों और प्राण भी पृथक हों तो एक शरीर का मन कुछ करने को होगा और दूसरे का कुछ। लेकिन जब प्राण एक हो जाएं तो दो अलग-अलग बदन एक-सा स्पंदन करने लगेंगे। तब सिर्फ़ बदन दो दिखेंगे, मन तो एक हो जाएगा। जब मन-प्राण एक हो जाएंगे तो दोनों बदन एक-सा सोचेंगे, एक-सा कोचेंगे और एक-सा नोचेंगे। तब दोनों के प्राण किसी बहुत ऊंची मीनार पर पिंजरे में बंद तोते में कैद नहीं रहेंगे, वे एक-दूसरे में ही घुले-मिले रहेंगे। यह परस्पर निर्भरता दोनों का जीवन-आधार रहेगी, क्योंकि दोनों को ही यह अहसास रहेगा कि एक के न रहने पर दूसरा भी नहीं रहेगा।

'दो जिस्म-एक जान' का मंचन हो तो पहले भी रहा था। नौ साल क्या, दो दशक से हो रहा था। मगर इन दो महीनों में इस मिलन का जो आवेग देखने को मिला, उस ने मुझे तो कृतकृत्य कर दिया। 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' की ढीठ-धुन पर नृत्य में सारा सत्तासीन आलम ऐसा मशगूल हो गया कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। राहुल संसद में प्रतिपक्ष की आवाज़ का प्रतीक बन गए थे। वे संयुक्त संसदीय जांच समिति की मांग करने से बाज़ नहीं आ रहे थे। संसद में उन्हें ख़ामोश करने का एक ही तरीका था कि संसद में न रहेगा बांस तो नहीं बजेगी बांसुरी।

मेरा मानना है कि लोकसभा से राहुल की सदस्यता ख़त्म करने के फ़ैसले ने सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी के निर्वाण के सफ़र की दूरी अब बहुत छोटी कर दी है। सियासत तकनीकी दांवपेंच का खेल नहीं होता है। बहानों के जाल बिछा कर अपने राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने की कुचालें दीर्घकालीन राजनीति में उलटबांसी साबित होती हैं। इसकी एक नहीं, कई मिसालें भारतीय राजनीति ने देखी हैं। सियासी कुरुक्षेत्र में तो मुकाबला आमने-सामने का होता है। सो, मान कर चलिए कि राहुल का निष्कासन अब सड़क को ही संसद बना देगा।

राहुल-प्रसंग में सूरत की अदालत का फ़ैसला अपनी जगह है। उस पर कोई क्या कह सकता है? उस फैसले पर अंतिम फ़ैसला, जब लेंगी, ऊपर की अदालतें लेंगी। हो सकता है, राहुल के चुनाव लड़ने पर भी छह साल की पाबंदी लग जाए। हो सकता है, राहुल दो साल के लिए जेल भेज दिए जाएं। हो सकता है, इसके बाद 2024 में भाजपा लोकसभा में 303 नहीं, 404 सीटें ले कर पहुंच जाए। यह सब हो सकता है। लेकिन इससे क्या हो जाएगा? क्या इससे भाजपा अमर हो जाएगी? क्या इससे प्रतिपक्ष हमेशा के लिए ख़त्म हो जाएगा?

होने को चूंकि कुछ भी हो सकता है, इसलिए यह भी हो सकता है कि यह फ़ैसला पहले तो राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों में भाजपा की चूलें हिला दे और उसके बाद अगले आम चुनाव में भाजपा को पूरी तरह ले डूबे। यह भी हो सकता है कि उपचुनाव लड़ कर राहुल दिन दुगनी, रात चौगुनी मजबूती से जीत कर लोकसभा में लौट आएं। हो सकता है कि राहुल के निष्कासन से उपजी आम-संवेदना कांग्रेस का जबरदस्त पुनरुद्धार कर डाले। हो सकता है कि यह फ़ैसला विपक्षी एकता का नया व्याकरण रच दे। सो, होने को कुछ भी हो सकता है।

अभी भले ही कुछ भी माहौल बना दिया गया हो, लेकिन वह दिन तो आएगा, जब तय होगा कि राहुल ने देश के पिछड़े वर्ग का अपमान किया था या नहीं? उनकी मंशा कुछ लोगों की करतूतों पर ध्यान दिलाना था या वे एक समूचे समुदाय की अवमानना करना चाहते थे? दो ही मंचों पर यह मसला तय हो सकता है। एक है न्यायिक मंच। दूसरा है जनमंच। न्यायपालिका की एक ज़िला अदालत ने तो फ़िलहाल यह फ़ैसला कर ही दिया है कि राहुल ने किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को नहीं, पूरे समुदाय को बेइज़्ज़त किया है। इसे अंतिम तौर पर तो सर्वोच्च अदालत ही तय करेगी कि ज़िला अदालत की सोच सही है या नहीं। बचा जनमंच तो, कोई माने-न-माने, लोकसभा से राहुल के निष्कासन ने जन-मन को झकझोर दिया है। भाजपा के घनघोर हिमायतियों को भी इस कदम को ठीक ठहराने में हिचक हो रही है।

विदेशी धरती पर राहुल की टिप्पणियों को तोड़मरोड़ कर पेश करने के लिए अब तक कूदफांद करने वाले भी स्तब्ध हैं। उन्हें भी यह उम्मीद नहीं थी कि राहुल को संसद से बाहर भेजने का क़दम उठाया जाएगा। वे तो इस गुंताड़े में थे कि इतना भर हो जाए कि दबाव में आ कर राहुल माफ़ी मांग लें और उनकी भद्द पिट जाए। भद्द-पिटे राहुल भाजपा के लिए बड़ा चुनावी हथियार होते। अब सियासी-शहादत का साफा सिर पर बांध कर घूमने वाले राहुल तो भाजपा की मुसीबत बन जाएंगे। उन्हें कौन-सा चोरी-हेराफेरी में या हत्या-बलात्कार में दो साल की सज़ा हुई है? हुई भी है तो लोकतंत्र की हत्या-बलात्कार के प्रयासों की मुख़ालिफ़त करने और किसी की कारोबारी हेराफेरियों के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने के लिए कही गई बातों के लिए हुई है। उन बातों के अर्थ को अनर्थ में तब्दील करने की क़ानूनी तिकड़मों के कारण हुई है।

इसलिए राहुल अगर जेल चले भी गए तो कांग्रेस के लिए यह सिर ऊंचा कर के घूमने की बात हो जाएगी। सिर तो अंततः उनका झुकेगा, जो अपनी मनमानियों को पूरा करने के लिए इस हद तक भी जाने को तैयार हैं। इंदिरा गांधी ने तो आपातकाल के बाद चुनाव कराने से पहले विपक्ष के सभी नेताओं को जेल से रिहा कर दिया था। अब अगर कोई अगले आम चुनाव से पहले विपक्ष के सभी नेताओं को किसी-न-किसी बहाने जेल में बंद करने पर उतारू है तो क्या भारतवासी इतने गए-बीते हैं कि आजीवन हाथ बांधे, सिर झुकाए खड़े रहेंगे? अगर कोई सोचता है कि तीन साल से मुफ़्त राशन पाने वालों की अंर्तआत्मा ही मर जाती है तो उनकी ग़लतफ़हमियों के जाले जल्दी ही साफ हो जाएंगे।

निखालिस झूठ, हद दर्जे की ख़ुदगर्ज़ी, दग़ाबाज़ी और मक्कारी जिनकी सियासत की बुनियाद बन जाते हैं, वे जन-मन से उतरने लगते हैं। आज हम-आप इन्हीं दृश्यों से रू-ब-रू हो रहे हैं। यह वह दौर है, जिसमें सुल्तान के भीतर अपनी वस्त्रहीनता का बोध समाप्त हो जाता है। यह वह दौर है, जिसमें सुल्तान के आसपास के लोग उसके हाथों ऐसी-ऐसी ग़लतियां कराते हैं, जो 'त्रयोदोषाः' बन जाती हैं। यह वह दौर है, जिसमें हुक्मरान अवाम की संवेदनाओं को समझने का सलीका खो बैठते हैं। यह वह दौर है, जिसमें एक परिघटना हाशिए का दायरा फाड़ कर देखते-ही-देखते पूरे पन्ने पर इस तरह पसर जाती है कि उसके सैलाब में सारा करकट एकबारगी बह जाता है। इसलिए, आप का आप जानें, मुझे तो इस दौर से तवारीख़ी तहरीर बदलने की ख़ुशबू आ रही है।

(लेखक न्यूज़-व्यूज़ इंडिया और ग्लोबल इंडिया इनवेस्टिगेटर के संपादक हैं।)

युवा समाज सेवक एवं किसान कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष आशीष पांडे ने विकलांगता के दर्द से जूझ रहे बच्चे के रिवार को सहयोग का दिलाया भरोसा

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग। विकलांगता किसी परिवार के लिए कितना बड़ा अभिशाप है यह केवल उस परिवार के लोग ही जान सकते हैं क्योंकि विकलांग बच्चे जब किसी परिवार में पैदा होते हैं तो उसके माता पिता किस प्रकार के दर्द से जीते हैं वह केवल उस दर्द को वही महसूस कर सकते हैं पर जब इसी विकलांगता का इलाज करना चाहे और जब उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो तो वह दर्द और भी बढ़ जाता है, जी हां हम बात कर रहे हैं देवभोग ब्लॉक के ग्राम झाराबहाल का जहां बचपन से विकलांग बालिका धानी यादव उम्र 7 वर्ष पिता जगदीश यादव की स्थिति का जो पिछले 7 वर्षों से बाएं पैर, हाथ एवं सिर से विकलांग है।

जब उसके माता-पिता से पूछा गया तो उन्होंने कहा बचपन से हमारी बेटी विकलांग थी और इलाज के लिए सरकारी हॉस्पिटल गए पर वहां का इलाज से संतुष्ट नहीं हुए तो फिर हमने छत्तीसगढ़ के जिला बस्तर के इंदिरा में सर्वप्रथम इलाज कराया जहां के इलाज से कुछ सुधार हो रहा था और बेटी के सुधार होते देख माता पिता भी काफी खुश हो रहे थे पर माता-पिता की बदनसीबी कहा जाए कि सुधार के वक्त कोरोना काल का घोर संकट इनके सिर मंडराने लगा जिसके कारण वे दोबारा वहां इलाज कराने हेतु नहीं जा सके और कोरोना काल के दौरान आर्थिक स्थिति भी और ज्यादा जटिल हो गई जिसके कारण वह दोबारा इलाज कराने नहीं गए एवं बच्चे की उम्र भी बढ़ती गई। कुमारी धानी हाथ एवं पैर से विकलांग

तो है ही साथ में सिर भी हमेशा हिलते रहता है, जिसकी वजह से वह बालिका जब भी साधारण रूप से खड़े होती है तब भी उसका सिर हिलते ही रहता है । आपको बता दें कि बच्ची वर्तमान में सरस्वती शिशु मंदिर देवभोग में कक्षा उदय में पड़ रही है, वहां के प्राचार्य नरेंद्र साहू ने कहा कि धानी यादव काफी होनहार चंचल प्रवृत्ति की है पर उसकी शारीरिक स्थिति को देखा जाए तो वह बहुत दुख लगता है, वह बच्चों को खेलते हुए देखती है और खेलने का प्रयास भी करती है पर वह अपने शारीरिक कष्टों के कारण वह खेलकूद की खुशी को अपने अंदर दबाकर चुप बैठ जाती है। जब लोगों के माध्यम से इनके माता-पिता को युवा समाज सेवक आशीष पांडे के बारे में पता चला कि यह कई लोगों की ऐसे ही विकलांगता से जूझ रहे बच्चों का डॉक्टरों के पास ले जाकर इलाज कराया है तो उन्होंने तत्काल इनसे संपर्क किया। युवा समाज सेवक एवं किसान कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष आशीष पांडे ने जब उस बालिका से मिले एवं बात की तो उस बच्ची की आवाज सुनकर उन्हें लगा कि मानो बार-बार उस बच्ची की आवाज कह रही है कि मेरा इलाज करा दीजिए मैं भी खेलना चाहती हूं,,, दौड़ना चाहती हूं,,,, मुझे भी अन्य बच्चों की तरह पंख चाहिए,,,, ताकि मैं भी स्वतंत्र रूप से दौड़ एवं खेल सकूं। इस दर्द को देखकर एवं महसूस करके आशीष पांडे ने तत्काल रायपुर के अग्रवाल हॉस्पिटल के डॉक्टरों से संपर्क कर बच्ची की स्थिति के बारे में जानकारी दिया गया। अब बच्ची के इलाज की व्यवस्था की जा रही है ताकि जल्द से जल्द उसका इलाज हो एवं वह भी अन्य बच्चों की तरह स्वतंत्र रूप से खेल सके।

विपक्ष की आवाज शांत करना चाहती है भाजपाः तपेश्वर राजपूत

राहुल गांधी के साथ खड़ी है भारत की जनता, अदाणी मामले से ध्यान भटकाना चाहती है भाजपा

संवाददाता हेमचंद नागेश

प्रदेश प्रतिनिधि श्री तपेश्वर राजपूत जी ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता निरस्त करने की निंदा की है। उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में लागू अघोषित आपातकाल की संज्ञा देते इसे लोकतंत्र का गला घोंटने वाली कारवाई करार दिया है। राजपूत ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि श्री राहुल गांधी की सदस्यता खारिज कर भाजपा ने अपना असली चेहरा दिखा दिया है। भारत जोड़ो यात्रा के समय जनता का जैसा प्रतिसाद

श्री गांधी को मिला है, उससे भयभीत होकर यह कदम उठाया गया है। भाजपा व आरएसएस की विखंडनकारी नीतियों को जनता के सामने श्री गांधी लगातार उजागर करते रहे हैं। उन्हें कन्याकुमारी से कश्मीर तक जनता ने जिस प्रकार से सराहा, उससे भाजपा घबरा गई है। इस घबराहट का परिणाम श्री राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करना है।

अदाणी मामले से ध्यान भटकाने की चाल–श्री राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करने को श्री राजपूत ने अदाणी मामले से ध्यान भटकाने की भाजपाई चा

नाबालिक को बहला फुसला कर बलात्कार करने वाला आरोपी मेहगांव पुलिस की गिरफ्त में

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

मेहगांव। दिनांक 01-02-23 को प्रशासक वन स्टॉप सेंटर भिंड ने लिखित शिकायत पर थाना मेहगांव में अपराध क्रमांक 18/23 धारा 09,10,11 बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत दर्ज कराया कि अवयस्क बालिका ग्राम नरीपुरा का विवाह उसके माता पिता ने सचिन पुत्र राधा चरण निवासी ग्राम खिरिया तोर से 09-05-22 को करा दिया था । बालिका के पिता यशवंत सिंह ,माता दीपा पति सचिन व ससुर राधाचरण तथा शादी में सहयोग करने वाले अन्य लोगो के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान बालिका के माता पिता को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय द्वारा जेल भेजा गया बालिका के बयानों के आधार पर शादी के बाद बालिका को बहिला फुसला कर भगा ले जाने वाले व बलात्कार करने वाले आरोपी के रूप में आकाश पुत्र संतोष अगरिया निवासी वार्ड नंबर 04 भीम नगर भिंड की पहचान हुई । आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री शैलेंद्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश कुमार खरपूसे से ,श्रीमान एसडीओपी महोदय श्री आरकेएस राठौर के निर्देशन में आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया था जिस पर थाना मेहगांव पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के हर संभव प्रयास प्रारंभ किए और आरोपी को गोरमी तिराहा से गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया । आरोपी की गिप्तारी में थाना प्रभारी मेहगांव निरीक्षक रविंद्र शर्मा, उप निरीक्षक सुमन धाकड़, प्रधान आर जितेंद्र पाराशर, आर गोरीशंकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

भाजपा की विजय संकल्प यात्रा का आलमपुर से हुआ आगाज

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

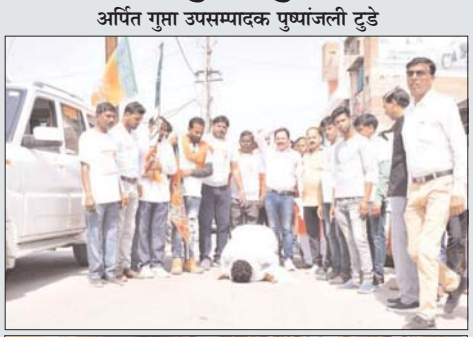

दबोह। भारतीय जनता पार्टी की प्रस्तावित विजय संकल्प यात्रा का आज आहिल्या होल्कर की जन्मस्थली आलमपुर से प्रारंभ हुई। इस संकल्प विजय यात्रा का नेतृत्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रोमेश महंत ने किया सबसे पहले छत्री बाग आलमपुर से शुरु की गई जो नगर के प्रमुख मार्ग,बजरिया,पुराना बस स्टैंड पहुंची।जहाँ रोमेश महंत ने नेताजी सुभाषचंद्र,शहीद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।इसके पश्चात यह यात्रा नगर के मार्गो से होती हुई देभई तिराहा पर पहुची।जहां इस यात्रा के सदस्यों को चायपानी की व्यवस्था कराई गई।इस यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के बरिष्ठ नेताओ के साथ साथ भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने बड़चड़ कर हिस्सा लिया।इस विजय संकल्प यात्रा का नगरबासियों ने जगह जगह फूलमालाओं से स्वागत किया तो वहीं नगरबासियो ने जगह जगह शीतल जल के स्टॉल भी लगाए गये थे।इसके बाद यह विजय संकल्प यात्रा ने खिरिया,भाँपर,रजरापुरा में पहुची जहां पर ग्रामबासियो ने यात्रा का स्वागत किया।इस संकल्प यात्रा के समय रोमेश महंत ग्रामबासियो से मिले और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया।बता दे कि भाजपा की विजय संकल्प यात्रा 25 मार्च से 25 अप्रैल तक निकाली जाएगी।यात्रा लहार विधानसभा के करीब 240 ग्रामो से गुजरेगी।इस यात्रा में भाजपा के पूर्व विधायक मथुरा प्रसाद महंत,विनय शर्मा,सूरज शर्मा ररी,रामकुमार यादव,कंजे,केशव विजपुरिया,शिवराज यादव,हिर्देश नायक,लालता कुशबाह, संजीव यादव,राजेन्द्र यादव,रामलखन कुरचानिया,संजीव सोनी आदि उपस्थित रहे।

राहुल गांधी को निष्कासित करने के विरोध में युवा कांग्रेस के नेतृत्व में इटायली गेट पर हुआ नरेंद्र मोदी का पुतला दहन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद- इटायली गेट के पास युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ राजकुमार देश लहरा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया ज्ञात हो कि सूरत सेशन कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को सजा दिए जाने के बाद

राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने के मामले में कांग्रेस द्वारा हर जगह विरोध किया जा रहा है इसी के चलते युवा कांग्रेस के निर्देशन में गोहद में भी पुतला दहन हुआ जहां कांग्रेस के लगभग 2 दर्जन से अधिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी एकत्रित हुए और नारेबाजी करने लगे जहां बड़ी मात्रा में पुलिस बल भी फायर बिग्रेड के साथ तैनात था तभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने चकमा देते हुए नया बस स्टैंड की ओर रैली के रूप में निकलने लगे एवं जैन मंदिर के सामने अचानक से पुतला दहन कर दिया यहां पुलिस भी एवं फायर बिग्रेड भी खड़ी रही वहीं चकमा देते हुए कांग्रेसियों ने पुतला दहन कर दिया जानकारी देते हुए डॉक्टर राजकुमार देशलहरा ने बताया जिस तरह से हिटलर शाही दिखाते हुए राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की गई है इसी निर्णय के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा पुतला दहन किया जहां भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा पुतला दहन के दौरान डॉक्टर राजकुमार देसलहरा बंटी गुर्जर तहसील साह कमल सिंह तोमर उर्फ मदारी, टोनी मुद्गल अवधेश शुक्ला प्रमोद शुक्ला सहित लगभग 2 दर्जन से अधिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय ऊचित मूल्य की दुकान पर बड़ी लापरवाही,समिति प्रबंधक और सेल्समैन के खिलाफ मामला दर्ज

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। शासन भले ही गरीबो को राशन देने के लिए कितनी भी योजना चला ले।परंतु शासन के नुमाइंदे शासन की किसकिरी कराने से बाज नही आ रहे है और लगातार सीएम शिवराज सिंह की योजना को पलीता

दो माह में सेल्समैन की हुई थी 22 शिकायतें

लगाते नजर आ रहे हैं। दरअसल मामला भिण्ड जिले के अंतिम छोर पर बसे कस्बे दबोह का है।जहां पर शासकीय ऊचित की दुकान पर अनिमितताएँ व गड़बड़ी पाए जाने पर मामला दर्ज हुआ है।सम्बंधित पर मामला दर्ज लहार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार मुदगल की शिकायत पर दर्ज किया गया है।दरअसल कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार मुदगल ने 24 मार्च 2023 को थाना दबोह को लिखित आवेदन में बताया कि मेरे द्वारा दिनांक 16/03/23 को दबोह क्षेत्र में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान बडागाँव कोड(0106041)अनुभाग लहार की दुकान जाँच की गई है।प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था दबोह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान बडागाँव पर समिति प्रबंधक रामप्रकाश राजौरिया एवं विक्रेता श्री अखिलेश शर्मा है।दुकान के भौतिक सत्यापन तथा

एईपीडीएस पोर्टल स्टॉक रजिस्टर अनुसार गेहूं 113.86 क्विटल कम फोर्टिफाईड चावल 93.14 स्टिल कम नमक 51 किलो कम शहर 07 किलो कम पाया गया।विक्रेता के विरुध्द लगातार सी.एम. हेल्पलाईन मे खाद्यान प्रदाय न होने की शिकायते दर्ज हो रही है एवं विक्रेता के कृत्यों पर समिति प्रबंधक जो कि नियंत्रककर्ता अधिकारी होता है के द्वारा नियंत्रण नहीं रखा जा रहा है।विक्रेता द्वारा ईकबाईसी एवं मोबाईल सीडिंग का कार्य संतोषजनक नहीं कर लगातार शासन प्रशासन के आदेश निर्देशो का उल्लंघन किया जा रहा है।जिसके चलते समिति प्रबंधक रामप्रकाश राजौरिया निवासी दबोह व अखिलेश शर्मा निवासी लहार के विरुद्ध दबोह थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम,1995 की धारा 3/7 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

फरवरी माह में लगवाए थे हितग्राहियों के अंगूठे पर नही बांटा था राशन–दरअसल बड़ागांव में संचालित शासकीय ऊचित मूल्य की दुकान काफी लंबे समय से शिकायतो से घिरी चल रही थी।खाद्य आपूर्ति जिलाधिकारी ने बताया कि सम्बंधित दुकान में भौतिक सत्यापन में खाद्यान कम पाया गया।तो वहीं फरवरी माह में सेल्समैन के द्वारा हितग्राहियों के अंगूठे तो लगवा लिए गए थे परंतु राशन नही बांटा गया था जिसके चलते सेल्समैन के खिलाफ 2 माह में सीएम हेल्पलाइन पर 22 शिकायतें दर्ज थी।

अंचल में राशन की दुकानो पर जमकर हो रही धांधली–अंचल में शासकीय ऊचित मूल्य की दुकानों पर जमकर धांधली मची है।कहीं हितग्राहियों को अंगूठा लगवाने के बाद राशन नही मिलता तो कहीं राशन की तौल करने में सेल्समैन हितग्राहियों को चपत लगाते हैं तो कहीं मशीन की पर्ची न देकर हस्त लिखित पर्ची हितग्राही को थमाई जाती है।फिलहाल तो इस खाद्य जिला आपूर्ति अधिकारी ने जल्द ही दबोह क्षेत्र की राशन की दुकानों की औचक निरीक्षण की बात कही है।

दो शातिर चोर थाना मेहगांव पुलिस की गिरफ्त में

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

चार पहिया वाहनों के एक लाख रुपये कीमत के वाहनों के पार्ट्स जप्त

मेहगांव। दिनांक 23.03.2023 को फरियादी मुकेश शर्मा निवासी भिण्ड रोड मेहगांव के द्वारा थाने पर उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गयी कि उसका चार पहिया वाहनों की मरम्मत का भिण्ड़ पर एक गैराज है दिनांक 20.03.2023 को जब उसने गैराज को खोला तो गैराज से चार पहिया वाहनों के पार्ट्स टर्बो सफारी, क्रॉस, टाईमिंग चैन, ।।रु नट बोल्ट, एक्सल तथा अन्य कल पुर्जे गायब थे कोई अज्ञात चोर उनको चुराकर ले गया ले इस पर थाना मेहगांव में धारा 457.380 भादवि के तहत अपराध क्रमांक 64/23 पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। घटना पर से श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश खरपूसे तथा श्रीमान एसडीओपी मेहगांव श्री आर. के. एस राठौर द्वारा थाना प्रभारी मेहगांव निरी. रविन्द्र शर्मा को उक्त घटना के आरोपियों की पतारसी करने के निर्देश दिये गये जिस पर उनि परशुराम अहिरवार, आर 1087 प्रदीप सिंह तोमर, आर. 1133 गौरीशंकर, आर. 338 दिनेश मुदगल, आर. 1359 अवनेश चौहान, प्रआर. चालक 914 रामकुमार गौतम की एक टीम बनाकर पूर्व में इस तरह की घटनायें घटित करने वाले संदिग्धों की तलाश की गयी तथा तकनीकी की मदद से आदिवासी मोहल्ला मेहगांव तथा आदिवासी मोहल्ला महाराजपुरा ग्वालियर से दो संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की गयी। पूछताछ पर उनके द्वारा चोरी करना स्वीकार किया जिसे पर से उनके कब्जे से चुराये गये मोटर पार्ट्स जप्त किये गये जिनकी कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये है। पकड़े गये चोरों के विरुद्ध थाना मेहगांव में पूर्व से चोरी के अपराध पंजीबध्द हैं। अन्य घटनाओं के संबंध में भी इनसे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। इनकी रही मुख्य भूमिका थाना प्रभारी का निरी, रबिन्द्र शर्मा, उ0नि0 परशुराम अहिरवार, प्रआर0 चालक रामकुमार गौतम, प्रआर0 336 जितेन्द्र सिंह, आर0 338 दिनेश मुदगल, आर0 675 पदम सिंह, आर0 1165 पदम सिंह, आर0 1359 अवनेश चौहान, आर0 1087 प्रदीप तोमर, आर0 1133 गौरीशंकर, आर0 1180 शिवदयाल, आर0 1220 अवधेश सिंह की मुख्य भूमिका रही।

सार समाचार

हितेश और तनिष्क की मदद से आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज जीता

नई दिल्ली, संवाद सूत्र। हितेश (42 रन) और तनिष्क वर्मा (5 विकेट) की मदद से आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज ने प्रथम स्वामी दयानंद सरस्वती डे- नाईट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में महाराजा अग्रसेन कॉलेज को 6 विकेट से हराया। हितेश को मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार हिंदू कॉलेज के डॉ. जय इंद्र पाल एवं पीजीडीएवी कॉलेज के डॉ. पवन डबास ने दिया। पीजीडीएवी कॉलेज मैदान में महाराजा अग्रसेन कॉलेज टीम टॉस जीतकर 15.1 ओवर में 90 रन पर ऑल आउट हो गई। गर्वित ने 28 रन बनाए। तनिष्क वर्मा ने 22 रन पर 5 और युवराज ने 15 रन पर 3 विकेट चटकाए। जवाब में आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज ने हितेश की 42 रन की पारी से 17 ओवर में 4 विकेट खो कर 94 रन बना लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

गुडविल और नेशनल की जीत

नई दिल्ली,संवादसूत्र। मेन ऑफ द मेच विष्णु कोहली के शानदार खेल के चलते गुडविल एफसी ने हॉप्स एफसी को 2-1 से हरा कर फुटबाल दिल्ली ए डिवीजन लीग में पूरे अंक अर्जित किए। आंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए दिन के पहले मुकाबले में एमिटी इंडियन नेशनल ने यंग बॉयज को 4-0 से परास्त किया। गुडविल के लिए विष्णु और मानवोम मोसांग ने गोल किए जबकि हॉप्स का एकमात्र गोल वैभव शर्मा ने किया। एमिटी इंडियन नेशनल ने खेल पर शुरू से ही कब्जा बनाया और युवा खिलाडियों से सजी यंग बॉयज को आसानी से पराजित किया। विजेता टीम के लिए विनय, मेन ऑफ द मेच नीलेश सैनी, अमन कुमार और अंकित ने गोल बनाए।

हैरी केन ने वायने रूनी का गोल रिकॉर्ड तोड़ा

नेपल्स,आईएएनएस। हैरी केन इंग्लैंड के आल टाइम शीर्ष स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने वायने रूनी का रिकॉर्ड तोड़ा है। थ्री लॉयंस ने अपने यूरो क्वालिफाइंग अभियान को शानदार शुरूआत देते हुए इटली को 2-1 से हराया। थ्री लॉयंस के कप्तान ने अपना 54वां अंतर्राष्ट्रीय गोल किया और वायने रूनी का 53 गोलों का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ डाला। उन्होंने अपनी टीम को1961 के बाद से पहली बार इटली की जमीन पर जीत दिलाई। केन ने कहा,यह काफी मायने रखता है। बॉल जब नेट से टकराई तो काफी भावनाएं थीं। यह शानदार रात थी। हम इटली में इतने लम्बे समय से नहीं जीते हैं। इसलिए स्कोर करना और मेच जीतना विशेष है। इटली की यह हार 41 यूरो क्वालीफायर्स में उसकी पहली हार है। वह आखिरी बार सितम्बर 2006 में फ्रांस से हारा था।

संपादक हरीश पाठक की पुस्तक दिल में उतरता फसाना राज बब्बर का हुआ लोकार्पण

खुद पर लिखी किताब जब मैंने पढ़ी तब जाना कि लोगों ने मुझे कितना पहचाना, ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान के पुस्तक लोकार्पण और दिवस समारोह में बोले राज बब्बर

ग्वालियर. मुझ पर लिखी हुई किताब जब मुझे पहली बार पढ़ने को मिली तो किताब पढ़ने से मैं डर गया डरा इसलिए कि मैंने कभी समझा ही नहीं कि लोगों ने मुझे कितना पहचाना है लेकिन जितना भी पहचाना उसका मैं शुक्रगुजार हूं ग्वालियर के ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान द्वारा आयोजित लोकार्पण और विमर्श समारोह को संबोधित करते हुए सिने अभिनेता और राजनेता राज बब्बर ने यह बात कही, यहां संपादक हरीश पाठक द्वारा लिखित राज बब्बर दिल में उतरता फसाना÷ किताब का लोकार्पण, अभिनेता राज बब्बर के मुख्य अतिथि अध्यक्षता ग्वालियर सांसद विवेक शेजवलकर, विशिष्ट अतिथि कथाकार और पत्रकार हरीश पाठक विषय प्रवर्तन ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान के अध्यक्ष देव श्रीमाली मुख्य वक्ता के रूप में राकेश त्यागी पूर्व प्रोड्यूसर दूरदर्शन दिल्ली, वरिष्ठ पत्रकार डॉ राकेश पाठक, आगरा के वरिष्ठ पत्रकार समीर चतुर्वेदी की मौजूदगी में संपन्न हुआ कार्यक्रम का संचालन प्रतिष्ठित शायर अतुल अजनबी ने किया.

ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान द्वारा आज ग्वालियर के होटल तानसेन में संपादक हरीश पाठक द्वारा लिखित सिने अभिनेता राज बब्बर के जीवन पर लिखी गई पुस्तक दिल में उतरता फसाना का लोकार्पण एवं विमर्श समारोह आयोजित किया गया गांधी रोड स्थित तानसेन रेजिडेंसी में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में शहर भर के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, साहित्य प्रेमी और गणमान्य लोग मौजूद रहे. कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान के अध्यक्ष देव श्रीमाली द्वारा मुख्य अतिथि

अभिनेता राज बब्बर और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद विवेक नारायण शेजवलकर का स्वागत किया गया. जिसके बाद कार्यक्रम संयोजक तेजपाल सिंह राठौर, अनिल गौर, रवि शेखर श्रीवास्तव, मनोज जैन, पंकज श्रीमाली, अमित सैनी,रवि उपाध्याय,सतेंद्र तोमर,सुनील राजावत और विजय राठौर द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया. जिसके बाद ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान के अध्यक्ष देव श्रीमाली ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों और आगंतुकों का स्वागत कर आभार प्रकट किया. कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार और दिल में उतरता फसाना किताब के संपादक हरीश पाठक ने यहां इस किताब के तैयार होने के पहले दिन से और आज किताब के लोकार्पण तक से जुड़ी पूरी यादों को साझा करते हुए कहा कि मेरे लिए यह भावुक क्षण है ग्वालियर में जो यह आयोजन आयोजित किया जा रहा है आज इस किताब की हर तरफ चर्चा हो रही है क्योंकि जिस राजबब्बर पर यह किताब लिखी गई है वह केवल सिने अभिनेता नहीं बल्कि उसकी शख्सियत का भी मैं मुरीद हूं क्योंकि राज बब्बर में सुर्खाब के पर हैं उन्होंने कड़े संघर्ष से गुजरते हुए अपनी जो पहचान बनाई वह पहचान हर किसी को नसीब नहीं होती है 26 साल तक सांसद रहे राज बब्बर के कुर्ते पर आज तलक कोई काली लकीर नहीं है वे मध्यम वर्ग का प्रतिनिधि चेहरा है और उनके ऊपर किताब लिखना उनके लिए बड़ी बात है. सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि ग्वालियर के लोग ग्वालियर से बाहर रहकर शहर का नाम रोशन कर रहे हैं जिनमें हरीश पाठक जी भी एक हैं यह किताब सही रूप में एक कलाकार की तत्व और संघर्ष का अनूठा संगम है. कार्यक्रम का उदबोधन सिने अभिनेता राज बब्बर ने एक शायरी पढ़कर किया कि व्यक्ति बड़ा नहीं होता और 4 ईंटों का घर-घर नहीं होता है बल्कि व्यक्ति किस रूप में है यह जानना जरूरी है मैंने जो रास्ता चुना वह संघर्ष का रास्ता था एक छोटे से कस्बे से निकलकर मुंबई तक की उनकी यात्रा पटियाला ड्रामा स्कूल से एनएसटी होते हुए मुंबई पहुंची जहां कड़ा संघर्ष भी करना पड़ा एक जमाना था जब मुझे एक फिल्म के मात्र ?1000 मिलते थे लेकिन मैंने संघर्ष नहीं छोड़ा मैंने जीवन में भले ही काम बड़े नहीं किए हो लेकिन बड़ी उम्मीद और बड़ी सोच के साथ पूरी इमानदारी से अपने कर्तव्य को पूरा किया है किताब मुझे जब पहली बार मिली तो मैं किताब पढ़ कर डर गया था लेकिन मुझे खुशी है कि लोगों ने मुझे पहचाना इसका मैं उनका उम्र भर शुक्रगुजार रहूंगा.

यूरो क्वालीफायर्स में रोनाल्डो ने रचा इतिहास

लिस्बन ■ आईएएनएस/डेस्क

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकरों में से एक पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यूरो 2024 क्वालीफायर में लिचटेंस्टीन के खिलाफ अपनी टीम की जीत में एक नया इतिहास रच दिया है।

रोनाल्डो का यह 197वां मेच था और वह दुनिया के सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मेच खेलने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। रोनाल्डो ने दो गोल दागते हुए पुर्तगाल को लिचटेंस्टीन के खिलाफ 4-0 से जीत दिलाई। वेटरन रोनाल्डो का पहला गोल पेनल्टी पर था और दूसरा जबरदस्त फ्री किक पर मारा गया।

अपने 197 मेच के साथ रोनाल्डो कुवैत के लीजेंड बदर अल-मुतावा(196 कैप्स) से आगे निकल गए हैं। मलेशिया के सोह चीन एन 195 मैचों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। मिस्त्र के अहमद हसन (184) चौथे और ओमान के अहमद मुबारक (183) पांचवें नंबर पर हैं। पांच बार के

बैलन डी ओर विजेता 38 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने वाले पांचवें सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

केवल पेपे, दमास, सिल्वियो और फोंटे उनसे ज्यादा उम्र में पुर्तगाल के लिए खेले हैं। रोनाल्डो ने 2003 में अपना अंतर्राष्ट्रीय पदार्पण किया था और पिछले वर्ष पांच विश्व कप में स्कोर करने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। पुर्तगाल क्वार्टरफाइनल में मोरक्को से हार गया था।

खेल सुर्खिया

स्विस ओपनः सिंधु, प्रणय, श्रीकांत बाहर, शेट्टी-रंकीरेड्डी क्वार्टर फाइनल में

बासेल ■ आईएएनएस/डेस्क

स्विस ओपन 2023 में भारत के एकल अभियान को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, पुरुषों की दुनिया के पूर्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत और अन्य शीर्ष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय के अंतिम 16 से बाहर होने से बड़ा झटका लगा है। मिथुन मंजूनाथ भी प्री-क्वार्टर फाइनल चरण में बाहर हो गए। पुरुषों की युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और दूसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी अब भी मैदान में हैं। सिंधु, गत चैंपियन, इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी से 21-15, 12-21, 21-18 से राउंड ऑफ 16 के कड़े मुकाबले में हार गईं।

सिंधु, जिन्होंने शुरुआती दौर में स्विट्जरलैंड की जेंजीरा स्टेडेलमैन को मात दी थी, गुरुवार को सेंट जेकबशाल में 59 मिनट तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गईं। वल्ड नंबर 9 और पांचवीं वरीयता प्राप्त एचएस प्रणॉय फ्रांस के गेरवरीय क्रिस्टो पोपोव से 21-8, 21-8 से

हार गए। प्रणॉय ने गुरुवार को हारने से पहले पुरुषों के एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए चीन के ऑल इंग्लैंड ओपन फाइनलिस्ट शि यू क्यूई को हराया था।

नवीनतम रैंकिंग में दुनिया के 20 वें नंबर के श्रीकांत हांगकांग के चेउक यिउ ली से 22-20, 21-17 से हार गए। इससे पहले मिथुन मंजूनाथ चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से 21-19, 21-19 से हारकर बाहर हो गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के खिलाफ 21-12, 17-21, 28-26 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह जोड़ी इस साल के स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आखिरी भारतीय चुनौती है।

सलीमा टेटे को वर्ष की उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार

नई दिल्ली ■ भाषा/डेस्क

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सलीमा टेटे को 2022 में शानदार प्रदर्शन के लिये एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) ने वर्ष की उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार से सम्मानित किया है। कोरिया के मुंगयोंग में एशियाई हॉकी महासंघ की वार्षिक आम बैठक में इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। सलीमा ने हॉकी इंडिया के बयान में कहा, मैं पिछले कई वर्षों की मेरी कड़ी मेहनत को पहचान देने के लिए एशियाई हॉकी महासंघ का आभार व्यक्त करती हूं।

एशियाई हॉकी महासंघ ने इसके साथ ही हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह को उदीयमान खेल अधिकारी के पुरस्कार से सम्मानित किया। सलीमा पिछले दो वर्षों से भारतीय महिला टीम का अभिन्न अंग रही है। उन्हें पिछले साल मस्कट में महिला एशिया कप में टूर्नामेंट की उदीयमान खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के दौरान सीनियर टीम की तरफ से पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने 2018 में अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में युवा ओलंपिक खेलों में

भारतीय जूनियर टीम को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सलीमा तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का हिस्सा भी थी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 2021 में खेले गए एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्वकप में भी हिस्सा लिया था जिसमें भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही थी। यह मिडफील्डर एफआईएच हॉकी प्रो लीग में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा भी थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस युवा मिडफील्डर को पुरस्कार जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं सलीमा टेटे को इस पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई देता हूं। यह देखकर मुझे बहुत खुशी होती है कि हमारे भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर वह पहचान मिल रही है जिसके वे हकदार हैं।

ऊषा, मुंबई इंडियंस की साझेदारी दसवें वर्ष में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमुख कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ब्राण्ड ऊषा इंटरनेशनल ने पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के साथ लगातार 10वें वर्ष के लिये अपनी आधिकारिक साझेदारी जारी रखने की घोषणा की है। इस साझेदारी पर ऊषा इंटरनेशनल में स्पोर्ट्स इनीशिएटिव्स एण्ड एसोसिएशंस की प्रमुख कोमल मेहरा ने कहा, "मुंबई इंडियंस के साथ एक दशक की साझेदारी हम दोनों ब्राण्ड्स के बीच परस्पर आदर और जुड़ाव दिखाने वाली उपलब्धि है। यह रणनीतिक साझेदारियों द्वारा खेलों को बढ़ावा देने और एक खेल परितंत्र विकसित करने के लिये हमारे समर्पण को दोहराती है। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी सच्ची खेल भावना का प्रदर्शन करती है और इसके खिलाड़ी युवाओं के लिये आदर्श हैं और उन्हें सक्रिय तथा स्वस्थ जीवन जीने के लिये प्रेरित करते हैं। हम सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं और हमें इस सीजन में बड़े ही रोमांचक मैचों की उम्मीद है!'' मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने कहा, हमें ऊषा इंटरनेशनल के साथ लंबे समय की अपनी साझेदारी को जारी रखने की खुशी है।

हार्दिक पंड्या कप्तान के तौर पर धोनी की तरहः साई किशोर

मुंबई,भाषा। गुजरात टाइटन्स के स्पिनर आर साई किशोर को लगता है कि उनकी फ्रेंचाइजी के कप्तान हार्दिक पंड्या नेतृत्व क्षमता के मामले में महान क्रिकेटर एमएस धोनी की तरह ही हैं। साई किशोर गुजरात की टीम से जुड़ने से पहले कुछ वर्षों तक चेन्नई सुपर किंग्स के साथ थे। इस तरह वह दोनों खिलाड़ियों को कप्तान के तौर पर करीब से देख चुके हैं।

साई किशोर ने शुक्रवार को यहां वर्चुअल सत्र के दौरान मीडिया से कहा,हार्दिक और माही भाई जिस तरह से चीजों को करते हैं, उनका तरीका लगभग समान ही है, साथ दोनों बहुत ही शांत रहते हैं। उन्होंने कहा,मैं हार्दिक की एक काबिलियत का कायल हूं कि वह सफलता और विफलता दोनों को अच्छी तरह संभालता है, यह बहुत ही अनूठी चीज है। वह बहुत ही संतुलित हैं, यह उनके लिये कारगर रहा है। साई किशोर ने कहा कि गुजरात टाइटन्स को सफल होने के लिए अपने पिछले सत्र के प्रदर्शन का दोहराव करना होगा जिसने अपने पदार्पण सत्र में आईपीएल जीता था। उन्होंने कहा,हम गत चैम्पियन हैं और यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसे बरकरार रखते हैं या नहीं। पिछले साल हम अच्छा खेले थे इसलिये जीते थे। मुझे लगता है कि अगर हम ऐसा करते हैं तो यह मायने नहीं रखेगा।

धर्मेंद्र कार्तिक आर्यन के फैन हुए

बॉलीवुड फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन इस समय भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक हैं। हाल ही में बॉलीवुड हीमैन धर्मेंद्र ने कार्तिक जमकर तारीफ की और उन्होंने अपने आप को कार्तिक का फैन बताया। दर्शकों के बीच अभिनेता कार्तिक की बड़ी फैन फॉलोइंग है, लेकिन फिल्म बिरादरी के बीच भी उन्हें उतना ही प्यार ओर सराहना मिलती है। हाल ही में धर्मेंद्र ने कार्तिक की ईमानदारी और मासूमियत की तारीफ की थी। धर्मेंद्र ने एक बयान में कहा,"वास्तविक जीवन के किरदारों की तुलना में लार्जर देन लाइफ किरदार निभाना कहीं ज्यादा आसान है। वह एक मेहनती, ईमानदार युवक है। उसका चेहरा मासूम है और अपनी कला के प्रति उसकी ईमानदारी पूरी तरह से दिखाई देती है। मेरे प्रशंसक भी मुझे उसी गुणों के लिए पसंद करते हैं। फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में कार्तिक का किरदार एक मजदूर वर्ग के व्यक्ति का है, जो अपने कपड़ों ओर तौर-तरीकों से आम आदमी की भावना और दृढ़ संकल्प को दिखाता है। कार्तिक की आने वाली फिल्मों में आशिकी-3 ओर कबीर खान हैं।

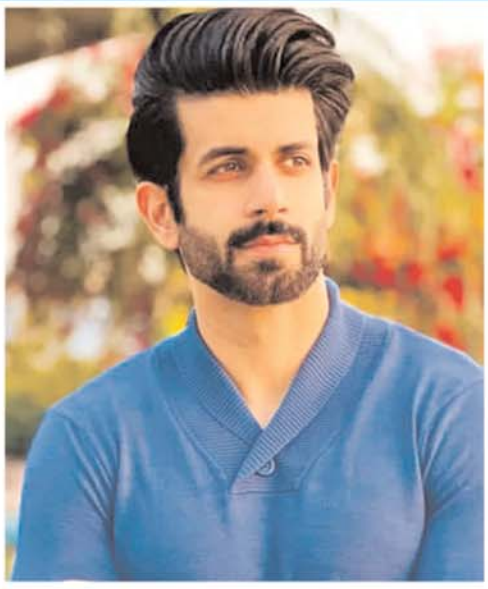

डबल रोल निभाना आसान नहीं: नामिक

'लग जा गले' के एक्टर नमिक पॉल ने शो में डबल रोल को निभाने के बारे में बात की और कहा कि एक ही समय में दो अलग-अलग व्यक्तित्वों का किरदार निभाना काफी दिलचस्प है। उन्होंने कहाः एक अभिनेता के रूप में, मुझे लगता है कि डबल रोल निभाना का एक शानदार अवसर है। जहां मुझे अहंकारी और आत्मविश्वासी शिव का किरदार निभाना पसंद है, वहीं शमीलें अनिकेत का किरदार भी मजेदार है। उसकी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और खासतौर से ईशानी के प्रति उसका व्यवहार बहुत अलग है, और यह मुझे एक्सप्लोर करने और सुधार करने का कई मौका दे रहा है। नमिक ने 'कुबूल है' से अपने अभिनय की शुरूआत की, और 'एक दूजे के वास्ते', 'एक दीवाना था' जैसे शो से लोकप्रियता हासिल की। एक्टर वर्तमान में 'लग जा गले' में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से, लग जा गले के लिए दो किरदार निभाना मजेदार रहा है, हालांकि, मैं अभी भी एक किरदार से दूसरे किरदार में बदलने की कला में महारत हासिल कर रहा हूं, यह देखते हुए कि वे एक-दूसरे के बहुत विपरीत हैं, यह आसान नहीं है।

प्रदीप सरकार के निधन से सदमे में हूं: रानी मुखर्जी

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने फिल्म निर्माता प्रदीप सरकार के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। फिल्म निर्माता का 24 मार्च को सुबह करीब 3:30 बजे मुंबई में निधन हो गया। प्रदीप के साथ 'लागा चुनरी में दाग' और 'मर्दानी' में काम कर चुकीं रानी ने कहा, दादा के निधन की खबर से मैं बहुत सदमे में हूं। मैंने कुछ ही दिन पहले उनसे बात की थी जब मैं अमृतसर के स्वर्ण मंदिर गई थी। उन्होंने मुझे अपनी फिल्म के बारे में बताते हुए फोन किया था। हमारे बीच लंबी बातचीत हुई।

वो फेसटाइम कॉल करना चाह रहे थे, लेकिन उस वक्त नेटवर्क नहीं थे, इसलिए मैं उनके साथ वीडियो कॉल नहीं कर सकी। हम इसी हफ्ते मिलने वाले थे, लेकिन यह इतनी अप्रत्याशित घटना हो गई। अभिनेत्री ने आगे कहाः उनकी पत्नी (पांचली बौदी) ने मुझे सुबह 4 बजे फोन करके खबर दी। यह वास्तव में दुखद और चौंकाने वाला है कि दादा अब नहीं रहे।

बौदी ने मुझे सूचित किया था कि वह बिल्कुल ठीक थे। वह पिछले कुछ दिनों से शूटिंग भी कर रहे थे तो पता नहीं चंद घंटों में यह सब कैसे हो गया। मुझे यकीन है कि हर कोई जो दादा को जानता है वह उनकी कमी को गहराई से महसूस करेगा जिस तरह से मैं महसूस कर रही हूं। हमने एक साथ बहुत काम किया है, इसलिए यह सचमुच परिवार के किसी सदस्य को खोने जैसा है।

प्रदीप ने अपने निर्देशन की शुरूआत सैफ अली खान, संजय दत्त और विद्या बालन अभिनीत फिल्म 'परिणीता' से की थी और वह हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित निर्देशकों में से एक थे। रानी ने आगे कहाः मेरा दिल बौदी, रोनो ओर राया के लिए दुखता है, क्योंकि वे एक बहुत ही करीबी परिवार थे। उन सभी लोगों के लिए भी ये मुश्किल समय है, जो दादा के प्रोडक्शन हाउस में काम करते थे और जो वर्षों से उनसे जुड़े हुए थे। मैं वास्तव में इससे बहुत दुखी हूं क्योंकि मैं जल्द ही उनसे मिलने वाली थी।

मुझे बहुत बुरा लग रहा है। आप कभी महसूस नहीं करते कि जीवन कितना अप्रत्याशित है, आप किसी व्यक्ति से बात करते हैं और अगली बात आप सुनते हैं कि वह व्यक्ति नहीं रहा। मैं अपनी आखिरी याद को सहेज कर रखूंगी कि वह मेरे लिए कितने खुश और उत्साहित थे, क्योंकि उन्होंने मुझे उस फीडबैक को साझा करने के लिए बुलाया था जो उन्हें मेरी फिल्म से मिल रहा था।

सावित्रीबाई फुले देश में महिला साक्षरता में अग्रणी थीं। उनके जीवन को महिला सशक्तिकरण की पाठ्यपुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। स्क्रीन पर भारतीय नारीवाद की मां को चित्रित करना एक पूर्ण सम्मान है।

पत्रलेखा अप्रैल की शुरूआत में 'फुले' की शूटिंग करेंगी शुरू

एक्ट्रेस पत्रलेखा, जिन्हें हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज 'आर या पार' में देखा गया था, अप्रैल की शुरूआत में 'फुले' नामक अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगी। एक्ट्रेस सामाजिक कार्यकर्ता सावित्रीबाई फुले के किरदार को निभाएंगी, जिन्हें भारत में महिला शिक्षा की नींव रखने के लिए जाना जाता है और वे भारत के नारीवादी आंदोलन की अग्रणी हैं। सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले की पत्नी थीं, जिन्हें जातिगत भेदभाव से लड़कर भारत के सामाजिक परिदृश्य को बदलने का श्रेय दिया जाता है।

एक्ट्रेस को हाल ही में डायरेक्टर अनंत महादेवन के ऑफिस में स्पॉट किया गया था। पत्रलेखा ने शूटिंग शुरू होने पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहाः सावित्रीबाई फुले देश में महिला साक्षरता में अग्रणी थीं। उनके जीवन को महिला सशक्तिकरण की पाठ्यपुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। स्क्रीन पर भारतीय नारीवाद की मां को चित्रित करना एक पूर्ण सम्मान है।

फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन करेंगे, जिन्हें एक और महिला केंद्रित कहानी 'मी सिंधुताई सपकाल' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। बायोपिक में सामाजिक कार्यकर्ता सिंधुताई सपकाल की कहानी बताई गई है, जिन्होंने बेघर बच्चों को आश्रय देने और उन्हें पालने की दिशा में काम किया। फिल्म पत्रलेखा और प्रतीक गांधी की नई जोड़ी को भी चिन्हित करती है। बता दें, पत्रलेखा प्राइम वीडियो की 'गुलकंद टेल्स' में भी दिखाई देंगी, जो फिल्म निर्माता लव रंजन की एक अनटाइटल्ड ड्रामा है और एक्टर मानवी गगरू के साथ रोड ट्रिप 'हीर सारा' पर एक और फिल्म है।

मेरा किरदार 'जब वी मेट' में करीना के किरदार जैसा है : दीपिका अग्रवाल

'साथ निभाना साथिया 2' की अभिनेत्री दीपिका अग्रवाल ने अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म 'ऊंचा दर बाबे नानक दा' में 'जब वी मेट' में बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर द्वारा अभिनीत गीत जैसा ही किरदार निभाने के बारे में बात की। जिमी शेरगिल के साथ एक पंजाबी फिल्म मिलने के बारे में जानकारी देते हुए दीपिका ने कहा, मैं इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ काम करने और इस अमेजिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का अवसर पाकर बेहद धन्य महसूस कर रही हूं। फिल्म की शूटिंग कनाडा और जालंधर के खूबसूरत लोकेशंस पर होने वाली है। 'जब वी मेट' में करीना कपूर के किरदार जैसी भूमिका निभाना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।

अभिनेत्री ने कहा कि मैं अपने प्रशंसकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं, और इस किरदार के साथ न्याय करने की उम्मीद करती हूं। दीपिका इससे पहले 'साथ निभाना साथिया 2' में नजर आ चुकी हैं, जहां उन्होंने एक फैशन डिजाइनर की भूमिका निभाई थी। दीपिका ने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में फिल्म 'जो वाइफ की मूवी' से डेब्यू किया था। वह कई अन्य टीवी शो और फिल्मों में भी दिखाई दी हैं।

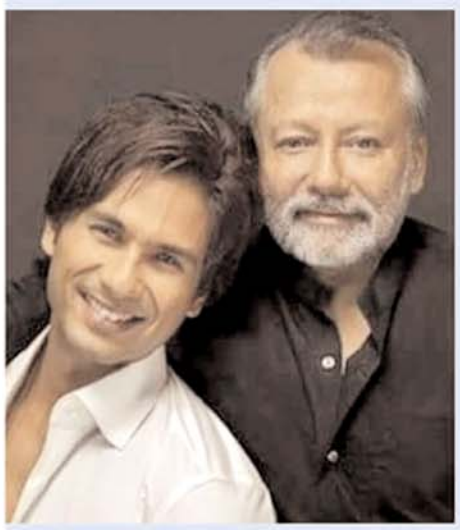

एक्टिंग को लेकर मुझसे राय नहीं लेते हैं शाहिद: पंकज कपूर

बॉलीवुड अभिनेता पंकज कपूर का कहना है कि उनके पुत्र शाहिद कपूर एक्टिंग के मामले में उनकी राय नहीं लेते हैं। पंकज कपूर ने बताया, मुझे इस बात का गर्व है ओर बहुत खुशी भी है कि शाहिद ऐसे माहौल में अपनी जगह बना पा रहें हैं, जहां वह न सिर्फ बतौर स्टार, बल्कि अभिनेता के तौर पर भी बेटर कर रहें हैं। वह हमेशा लोगों की यादों में रहने वाले हैं। अच्छी चीज यह है कि वह केरेक्टर प्रेप को लेकर मेरी राय नहीं लेते, वो अपने तरीके से किरदारों में रंग भरते हैं। पंकज कपूर ने कहा, मुझे हैदर में शाहिद का काम बहुत अच्छा लगा था। फिल्म मौसम में भी वह मुझे बेहद अच्छे लगे। कबीर सिंह और फर्जी में उनका काम मुझे बेहद पसंद आया है। शाहिद दिखा रहें हैं कि जैसे जैसे वक्त गुजरता जा रहा है, वह बतौर अभिनेता और बेहतर होते जा रहें हैं।

एक्शन और सस्पेंस का पावरपैक है 'चोर निकल के भागा'

'चोर निकल के भागा' उन दुर्लभ फिल्मों में से है, जो अपनी शेली एक्शन थ्रिलर से रिवेंज ड्रामा में बदल जाती है। फिल्म को काफी चतुराई से तैयार किया गया है। फिल्म की शैली और एडिटिंग को देख आप एक भी फ्रेम को मिस नहीं करना चाहेंगे। फिल्म की शुरुआत सनी कौशल को बुरी तरह पीटने से होती है, जो अंकित नाम के लड़के का किरदार निभा रहे है।

वहीं शेख नाम के एक रॉ अधिकारी शरद केलकर द्वारा जांच की जा रही है कि अपहरण की घटना के दौरान आतंकवादियों ने उसे क्यों पीटा। अगले फ्रेम में आप हाईजैकर्स के एक झुंड को मिशन के लिए तैयार होते हुए देखेंगे, और उसके बाद के फ्रेम में अंकित और नेहा (यामी गौतम) बीच रोमांस की शुरूआत को दिखाया जाता है।

भाजपा संगठन मंत्री जामवाल ने मंत्री डॉ अरविंद भदौरिया के साथ अटेर किले का किया भ्रमण

क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने क्वार्टर जीन कॉलोनी भिण्ड में कार्यालय का किया उद्घाटन

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

अटेर। भिण्ड जिले के प्रवास पर पधारे भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने अटेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक मध्य प्रदेश सरकार में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया के साथ अटेर विधानसभा विधानसभा स्थिति इतिहास की धरोहर, भदावर राज्य की शान साढ़े तीन सौ वर्षों से खड़ा अडि भीग अटेर का किले का भ्रमण किया साथ ही उसके इतिहास को जाना।

मंत्री डॉ भदौरिया ने क्षेत्रीय संगठन मंत्री जमवाल को भदावर महाराज की इस स्थिति को किले के अंदर 1-1 बिंदु पर विस्तार से समझाया और बताया कि प्रदेश सरकार ने अटेर महोत्सव को शासकीय कैलेंडर में शामिल कर विकास को आगे बढ़ाने का काम किया है उन्होंने बताया कि अटेर महा उत्सव के तहत अनेक सांस्कृतिक एवं खेलकूद कई प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।भारतीय जनता पार्टी प्रदेश क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत पीडब्लू डी कॉलोनी मैं भाजपा कार्यालय का पूजा अर्चना एवं नारियल फोड़कर उद्घाटन किया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने ग्वालियर में मांडरे वाली माता मंदिर में माता का पूजन अर्चन कर मंदिर परिसर में मंत्री डॉ भदौरिया ने पुष्पगुच्छ देकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। और भिंड के लिए रवाना हुए।भाजपा के नवीन कार्यालय पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री जमाल ले पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से संगठनात्मक एवं मिशन 2023 विधानसभा चुनाव

को दृष्टिगत रखते हुए कई बिंदुओं पर चर्चा की और कहां कि हम सब संगठन के लंबे समय से कार्य करने वाले कार्यकर्ता हैं आप सभी एकजुट होकर अपने-अपने विधानसभा के बूथ केंद्रों पर पार्टीकार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन को गति प्रदान करें।क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जमवाल के साथ प्रदेश महामंत्री चंबल संभाग के प्रभारी विधायक हरिशंकर खटीक, प्रदेश मंत्री केशव सिंह भदौरिया, चंबल संभाग क्षेत्रीय संगठन मंत्री चंद्रशेखर झा,सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ,नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया,भाजपा जिला संगठन प्रभारी प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य जयप्रकाश राजौरिया, अवधेश सिंह कुशवाह एडवोकेट, जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया,ने अनुसूचित जाति समाज से जुड़े भाजपा संस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक मनोज आनंद के निवास स्थान पर पहुंचकर भोजन किया और उनके परिवारजनों से परिचय प्राप्त किया। जिला एवं मंडल के पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने नवीन कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री जमवाल सालम श्रीफल के साथ उनका स्वागत और संस्कार सम्मान किया।

कार्यालय के उद्घाटन में भाजपा महामंत्री चंबल संभाग प्रभारी हरिशंकर खटीक, प्रदेश मंत्री केशव सिंह भदौरिया, विधायक संजीव सिंह कुशवाह, पूर्व विधायक शिव शंकर समाधिया, पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह, पूर्व जिला अध्यक्ष केशव सिंह भदौरिया,अवधेश सिंह कुशवाह, वीरेंद्र सिंह राणा, संजीव कांकर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों में डॉ रमेश दुबे, अमरीश शर्मा गुड्डू, रोमेश महंत,अशोक चौधरी, कृष्णकांता तोमर, अशोक भारद्वाज प्रदेश सह संयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ, किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री महेश सिंह गुर्जर एडवोकेट, जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा राजे रविसेन जैन, प्रमुख रूप से शामिल थे।

एक नजर...

नवदुर्गा के चौथे दिन सूर्या रोशनी में हुआ कार्यक्रम आयोजित दिनभर चलते रहे मां के भजन भक्ति में विभोर हुआ प्रबंधन

**पुष्पांजली टूडे संवाददाता मालापुर
पहलवान सिंह राजावत**

मालनपुर/औधोगिक क्षेत्र में संचालित सूर्या रोशनी प्रबंधन ने मां दुर्गा की पांडाल सजाकर प्रतिमा विराजमान की है कंपनी द्वारा नवदुर्गा महोत्सव कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमें प्रबंधन और कर्मचारी भजन कीर्तन कर मां के जयकारे लगाते हैं इसी क्रम में शनिवार को कंपनी परिसर में मां दुर्गा के भजन कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें कंपनी प्रबंधन ,अधिकारी और कर्मचारी मां की भक्ति में खूब झूमे भजन गायक कलाकार जवाहर सिंह यादव ने अपने भजनों से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए पंडाल में उनकी भजनों पर सब शक्ति नजर आए कई कलाकारों ने माता की भजन गाकर माता को भेंट दी सूर्या रोशनी हर नवदुर्गा में ऐसे प्रोग्राम व कार्यक्रम कराते रहते हैं इस मौके पर सूर्या रोशनी एच आर रेड मुकुल चतुर्वेदी सूर्य रोशनी पाइप डिवीजन प्लांट हेड मान सिंह शेखावत, और लगभग आधा दर्जन से ज्यादा एचआर अधिकारी जैसे कि संजय सिंह कुशवाह ,विनोद सिंह राजपूत, सौरभ भार्गव, ललित जी, पुरुषोत्तम लाल, मुकुल राय, आदि ने भजनों का आनंद लिया एवं करीब 3 दर्जन से ज्यादा भक्तगण उपस्थित रहे

कक्षा 5 वीं एवं कक्षा 8 वीं बोर्ड पैटर्न परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र छात्रों ने किया हल

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार 25 मार्च को समय सुबह 09ः00 बजे से 11ः30 बजे तक बालाघाट जिले की 2160 शासकीय शालाओं एवं 451 अशासकीय शालाओं के कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं में अध्यनरत बच्चों ने बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा दिया। सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री पी एल मेश्राम ने इस संबंध में बताया था कि जिले में कक्षा 5 वीं एवं कक्षा 8 वीं बोर्ड पैटर्न परीक्षा का आयोजन किया जाना है। जिसमें जिले में कक्षा 5 वीं मे अध्यंयनरत छात्र-छात्राओं की संख्या 26 हजार 395 है जिसमें शासकीय शालाओं के छात्र-छात्राओं की संख्या 18 हजार 553 एवं अशासकीय शालाओं के छात्र-छात्राओं की संख्या 7842 है। कक्षा 5 वीं में हिन्दी माध्यम से 21 हजार 513

एवं अंग्रेजी माध्यड़म से 4882 बच्चें परीक्षा देगें। इसी प्रकार कक्षा 8 वीं अध्यनरत छात्र-छात्राओं की संख्या 26 हजार 82 है। जिसमें शासकीय शालाओं के छात्र-छात्राओं की संख्या 20 हजार 442 एवं अशासकीय शालाओं के छात्र-छात्राओं की संख्या 5640 है। कक्षा 8 वीं में हिन्दी माध्यम से 22 हजार 948 एवं अंग्रेजी माध्यम से 3134 बच्चें परीक्षा देगें। 25 मार्च से प्रारंभ हो रही कक्षा पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई थी। परीक्षा केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया गया था कि बोर्ड परीक्षा का संचालन नियमों के अनुसार करें और कहीं पर भी नकल आदि ना होने दें। और इसी बात को ध्यान में रखते हुए सभी परिक्षा केंद्र में शांति पुर्वक परिक्षा संपन्न हुई।

डान्सर राजा शॉर्ट फ़्ल्मि के ऑडिशन 2 अप्रैल को ग्वालियर में

ग्वालियर। शहर में विनायक एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शन द्वारा शीघ्र ही ओटीटी प्लेटफ़ोर्म के लिए बनने वाली डान्सर राजा शॉर्ट फ़्ल्मि के ऑडिशन 2 अप्रैल को होटल द प्रभा इंटरनैशनल में होंगे । हालाँकि ये ऑडिशन पहले 26 मार्च को होने वाले थे लेकिन बॉर्ड इग्ज़ाम के कारण अब ये ऑडिशन 2 अप्रैल को होंगे । इसके लिए रेजिस्ट्रेशन शुरू हो गये हैं जो विनायक एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शन के इंस्टाग्राम पेज पर उपलब्ध हैं । विनायक एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शन के निर्देशक विमल यादव , प्रोडूसर के एस यादव ने बताया कि उनके बैनर तले वह काफ़ी सफल टीवी शो कर चुके हैं । इसी सफलता को देखते हुए अब एक शॉर्ट फ़्ल्मि ओटीटी प्लेटफ़ोर्म के लिए बना रहे हैं । इसका शीर्षक डान्सर राजा है । असीसटेंट ड़ायेरेक्टर अभिषेक चौहान ने बताया की शॉर्ट फ़्ल्मि डान्सर की ज़ंदिगी का संघर्ष और मैजिक शूज़ पर आधारित होगी । कास्टिंग डायरेक्टर रुचि यादव ने बताया की शॉर्ट फ़्ल्मि में प्रोडक्शन ग्वालियर शहर से तथा बाहर के बच्चों को भी कास्ट करेगा । जो ऑडिशन में अच्छा प्रदर्शन करेगा उसे मौक़ा ज़रूर मिलेगा । डी ओ पी रवि छेत्री ने बताया की हम पहले डान्स मास्टर इण्डिया और नाचो दिल से टीवी शो ला चुके हैं इन शोज़ से बच्चे आगे बड़े हैं और देश के बड़े बड़े शो में दिखे हैं और विजेता बने हैं । इसी तरह इस शॉर्ट फ़्ल्मि के माध्यम से हम बच्चों का टैलेंट आगे बढ़ायेंगे और आगे और बड़े प्लैट्फ़ोर्म देंगे ।

राहुल के सवालों से घबराकर मोदी ने की उनकी संसद सदस्यता समाप्त : संदीप मिश्रा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। राहुल गांधी को सजा सुनाने और उनकी सदस्यता को रद्द करने के मामले में शुक्रवार को

भिण्ड जिला मुख्यालयों पर सेवादल जिलाध्यक्ष संदीप मिश्रा की अगुवाई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पर धरना-प्रदर्शन किया। जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थिति रहें। प्रदेशकांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रामप्रकाश यादव ने कहा कि राहुल गांधी को दो साल की सजा होना राजनीतिक चाल है। जिस प्रकार मोदी सरकार द्वारा सरकारी एजेंसी ईडी और न्यायिक प्रक्रिया को अपने हाथों में लेकर दुरुपयोग किया जा रहा है, वो अति निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यही वो गांधी परिवार है, जिसमें देश की एकता अखंडता के लिए दादी-पिता को खोया है।

वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा प्रत्यासी डा.राधेश्याम शर्मा ने कहा भाजपा को राहुल गांधी में अपनी सरकार जाने का डर नजर आता है। इसलिए राहुल गांधी पर झूठे आरोप को सत्य बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन हथकंडों से घबराने वाले नहीं है। सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने कहा कि देश की जनता ने अब मन मना लिया है, कि देश को अगर बचाना है तो 2024 में कांग्रेस पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर इस देश विरोधी सोच को खत्म करेंगे। केंद्र की मोदी सरकार देश की आवाज बने राहुल गांधी के सवालों से घबराकर उनकी सांसद सदस्यता समाप्त की है। इस दौरान सेवादल यंग बिग्रेड अध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया ने भी भाजपा की कार्यवाही की निंदा की। कार्यक्रम को रणवीर सिंह,मनोज दैपुरिया, प्रदीप जैन गुड्डा, संजय भूता, विवेक पचौरी, रत्नचंद्र जैन, ईरसाद अहमद, अनिल भारद्वाज, संतोष त्रिपाठी, रीना चौहान,स्नेहलता जैन,आशुतोष शर्मा, सतपाल अग्रैया,राजवीर खन्ना, रीना चौहान, शंकरजैन, स्नेहलता जैन, नयन सिंह कुशवाह, जुग्गन दीक्षित, ब्रजेंद्र सिंह कल्लू भारौली, दर्शन तोमर, राहुल राजावत, शिवशंकर भदौरिया,राहुल कुशवाह, दीपू दुबे, संजीव बरुआ, दुष्यंत कुशवाह, रमसिया राठौर, देवेंद्र कुशवाह,आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में रामजीलाल शाक्य, राजेश शाक्य,प्रदीप भदौरिया, कोमल सिंह, कृष्णा पुरोहित, रिजवान काजी, मोहमद कामिल, इरसाद कुरेशी, मुकेश सिंह,पिंटू शर्मा, जीतू यादव, कमलेश सुमन, मोनू जैन, अनीश कुरेशी, गोविंद राजावत, देवेंद्र थापक, अनुरुद्ध त्रिपाठी, अजय मौर्य आदि शामिल रहें।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीटअप आयोजित

सोर्टेड स्क्वायर द्वारा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीटअप आयोजित किया गया। यह मीट अप शहर के इन्फ्लुएंसर ग्रुप को एक जुट कर शहर कि ब्रांडिंग को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इसमें शहर के क्राइम ब्रांच के एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। शहरवासियों को साइबर क्राइम और अन्य तरह के क्राइम से बचाने के लिए और जागरूक करने के लिए इस मुहिम में एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया ने विशेष योगदान देने के लिए युवाओं का आह्वान किया। यह मीट अप इस स्तर पर शहर में पहली बार हुआ और सभी युवा जिनको सोशल मीडिया या अधिक से अधिक लोग फॉलो करते हैं वे सब इस आयोजन का हिस्सा बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रांड ग्वालियर संस्थापक आकाश अरोरा ने की एवम् संचालन खुशबू तोमर द्वारा किया गया। इस अवसर पर ऋचा शिवहरे, मुकुल गुप्ता, श्रया सरण, रोहन शाक्य, शुभम शर्मा, गौरव संतवानी आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा राहुल गांधी व कांग्रेस की लोकप्रियता से घबरा हुई हैः विधायक मेवाराम जाटव

कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद। कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के अंतर्गत भोनपुरा, बरौना बकनासा, बराहेड, कचनपुर, नोनेरा, आदि गांव में गोहद विधायक मेवाराम जाटव ने गांधी चौपाल लगाकर भाजपा सरकार पर हमला बोला। इस दौरान विधायक मेवाराम जाटव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी व कांग्रेस की लोकप्रियता से भाजपा सरकार घबराई हुई है जिस कारण षडयंत्र पूर्वक भाजपा ने हमारे नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द कराई है। आने वाले समय में जनता इसका जवाब जरूर देगी, हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के अंतर्गत गांधी चौपाल में कई अन्य पदाधिकारियों व नेताओं ने संबोधित किया। हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के अंतर्गत गांधी चौपाल में अलग-अलग ग्रामों मैं कार्यक्रम संपन्न हुए जिनमें हजारों ग्रामीणों का जनसैलाब उमड़ा। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष संग्राम सिंह तोमर, रणवीर यादव, राजीव कौशिक, रेखा बसेड़यिा, केदार कौशल, तिलक सिंह राजोरिया, देवी सिंह तोमर, मोहन सिंह सिकरवार, रामस्वरूप तोमर, नरेश तोमर, रामहेत जाटव, एमएल माहोर, राकेश तोमर, विक्की तोमर, केशव कौरव, रवि कुशवाह, इंद्र सिंह खन्ना, कैलाश माहौर आदि कांग्रेसी नेतागण व सैकड़ों की तादात में आमजन उपस्थित रहे।

जीतो बैंगलुरु नार्थ के नये कार्यालय का उद्घाटन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू ऱ्दो अध्यायों में विभाजित जीतो बेंगलुरु के नार्थ चेप्टर के अपने नये कार्यालय का भव्य उद्धघाटन अपेक्स, जोन एवं बैंगलुरु साउथ-नार्थ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में राजाजीनगर मी हुआ। जीतो अपेक्स के पूर्व उपाध्यक्ष पारस भंडारी ने उदारतापूर्वक राजाजीनगर स्थित अपने आदिश्वर इलेक्ट्रो वर्ल्ड के निगमित कार्यालय के एक तल को

राजाजीनगर में प्रारंभ हुआ कार्यालय

अस्थाई रूप से जीतो बैंगलुरु नार्थ को समर्पित किया। ऊद्धघाटन कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों ने अपनी खुशी व्यक्त की और स्थापना के बाद से पांच महीने की अवधि में जीतो बैंगलोर नॉर्थ को उनकी वृद्धि और प्रगति के लिए बधाई दी।सभी गणमान्यो ने जीतो एपेक्स के पूर्व उपाध्यक्ष पारस भंडारी द्वारा दी गई उदारता की सराहना की, जिन्होंने नए स्वामित्व वाले कार्यालय की स्थापना तक जीतो को अपना कार्यालय स्थान देने की पेशकश की। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यो ने उनके इस भाव की सराहना की। उद्धघाटन कार्यक्रम की शुरुआत नार्थ सचिव सिद्धार्थ पटवा के नवकार मंत्र के पाठ और दीप प्रज्वलन समारोह के लिए अतिथियों को आमंत्रित करने के साथ की। जीतो नार्थ महामंत्री सुधीर गादिया ने इस अवसर पर कहा कि यद्धपि यह कार्यालय अस्थायी है परंतु यह दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को चलाने में मदद करेगा, साथ ही उन्होंने उपस्थित

गणमान्यो को जीतो बैंगलुरु नार्थ के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। जीतो नार्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए जीतो बैंगलोर नॉर्थ की पिछली उपलब्धियों के बारे में बताया और भविष्य में ओर अधिक जनुपयोगी सफल योजनाओं के क्रियान्वयन का आश्वासन दिया।

नवीनतम कार्यालय उद्धघाटन पर जीतो अपेक्स के वाइस चेयरमैन राजेंद्र छाजेड, अपेक्स सलाहकार समिति के अध्यक्ष तेजराज गुलेचा, अपेक्स श्रमण आरोग्यम अध्यक्ष रमेश हरन, अपेक्स के पूर्व वाइस चेयरमेन प्रकाश सिंघवी, अपेक्स जेएटीएफ उपाध्यक्ष विक्रम करबावाला,अपेक्स निदेशक नरेंद्रसिंह सामर,शैलेश हरण व संजय सेठिया, केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, जीतो बैंगलुरु साउथ अध्यक्ष दिनेश बोहरा, मुख्य सचिव दीपक श्रीश्रीमल और जीतो बैंगलुरु के पूर्व अध्यक्ष श्रीपाल खिवेसरा ने अपनी शुभ-कामनायें दी एवं जीतो बैंगलुरु नार्थ के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। नार्थ महिला विंग अध्यक्ष बिंदू रायसोनी और युवा विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी ने नवीन कार्यालय की खुशी व्यक्त की और अपने-अपने विंग की आगामी कार्यक्रमों का ब्योरा दिया।नार्थ सचिव कमल पुनमिया ने जीतो सदस्यों के आगामी मेघालय दौरे की घोषणा के साथ वीडियो द्वारा दौरे की झांकी प्रस्तुत की। अल्प समय में प्रस्तावित इस ऊद्धघाटन समारोह की तैयारियों में नार्थ कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी, सचिव कमल पूनमिया, सिद्धार्थ पटवा, प्रमोद बाफना व देव सामर, कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार सोलंकी व नितिन कटारिया ने अथक प्रयास किया।गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति और पारस भंडारी की उदारता के कारण जीतो बैंगलोर नॉर्थ चैप्टर के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन सफल रहा। इस कार्यक्रम ने कम समय में जीतो के विकास और प्रगति को प्रदर्शित किया, भविष्य में और भी बड़ी सफलता का वादा किया।धन्यवाद कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी ने दिया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478